राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 64 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,04 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

लेखरा दो पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी

टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भारत ने अब तक जीते कुल 13 पदक

टोक्यो ■ एजेंसी

निशानेबाज अवनि लेखरा ने शुक्रवार को यहां टोक्यो खेलों की 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच1 स्पर्धा का कांस्य पदक हासिल किया जिससे वह दो पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गयीं।

खेलों में पदार्पण करने वाली लेखरा इससे पहले 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। यह भारत का निशानेबाजी में भी पहला ही पदक था। उन्नीस साल की लेखरा ने 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच1 स्पर्धा में 1176 के स्कोर से दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिये क्वालीफाई किया था जिसमें 51 'इनर 10' (10 अंक के 51 निशाने) शामिल थे। फाइनल काफी कड़ा मुकाबला रहा जिसमें लेखरा ने कुल 445.9 अंक का स्कोर बनाया और वह यूक्रेन की इरिना श्रेटनिक से आगे रहकर पदक हासिल करने में सफल रहीं। वहीं यूक्रेन की निशानेबाज एलिमिनेशन में खराब शॉट से पदक से चूक गयीं। उन्होंने कहा कि यह मुश्किल फाइनल था लेकिन मैं खुश हूं कि कांस्य पदक जीत सकी। मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी। फाइनल का आप पर ऐसा ही असर होता है।

तीरंदाज हरविंदर सिंह ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

टोक्यो, (एजेंसी)। टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के अब 13 मेडल हो चुके हैं। हरविंदर सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत की झोली में एक और पदक डाल दिया है। भारत ने इस पैरालिंपिक में शानदार खेल दिखाया है। भारत के नाम अब 2 गोल्ड, 6 सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल हैं। पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार तीरंदाजी में भारत को पदक मिला है। सेमीफाइनल में हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल मैच में हरियाणा के हरविंदर ने पूरी ताकत लगा दी। कोरिया के किम मिन सू को शूट-ऑफ में हराते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

प्रवीण कुमार ने जीता रजत पदक

भारत के एथलीट प्रवीण कुमार ने टोक्यो पैरालंपिक में इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों की टी-64 स्पर्धा के फाइनल में रजत पदक जीता। इस मुकाबले में प्रवीण ने 2.07 मीटर की छलांग लगाई। इस दौरान उन्होंने एशिया की तरफ से नया कीर्तिमान भी स्थापित किया।

एक नजर

हथियार तस्कर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से पाँच पिस्तौल और 200 कारतूस बरामद किए हैं। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अवैध रूप से हथियारों की तस्करी करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया गया जिसकी पहचान राम किशन सिंह उर्फ मास्टर के रूप में हुई है। वह बिहार के भोजपुर का रहने वाले है। उसके पास से पाँच पिस्तौल और 200 कारतूस जब्त किए गए हैं। वह पहले भी बिहार, दिल्ली एनसीआर में अपराधियों को ओडिशा व गढ़चिरौली में नक्सलियों को हथियार सप्लाई करने में शामिल रहा है।

आईएमए प्रशिक्षित वीर शहीदों को पुष्पांजलि

देहरादून, (एजेंसी)। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने उत्तराखंड के देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शुक्रवार को युद्ध स्मारक पर वीरों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर जेंटलमैन कैडेट्स से भी विभिन्न विषयों पर बातचीत की। दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन श्री भट्ट ने आईएमए में सैन्य अफसरों को दिए जा रहे कठिन प्रशिक्षण का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण देने वालों द्वारा देश के प्रति किये जा रहे उनके योगदान की सराहना की। रक्षा राज्यमंत्री ने प्रशिक्षण की प्रक्रिया जारी रहने की भी सराहना की।

ऑनलाइन जॉब में युवती से 3.50 लाख की ठगी

श्रीगंगानगर, (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक युवती को ऑनलाइन जॉब का ऑफर देकर साढ़े तीन लाख रूपए ठग लिए जाने का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस के अनुसार हनुमानगढ़ मार्ग पर रिद्धि सिद्धि (द्वितीय इंक्लेव) निवासी स्नेहजीत (19) द्वारा अदालत में दायर किए गए इस्तगासा के आधार पर अंजुम खातून, परवीन बानो, शरीफ हक, गौरी मल्होत्रा तथा सुनिया खान निवासी दीवान बागान, कोलकाता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। हनुमानगढ़ जिले में गांव चिश्तियां की मूल निवासी स्नेहजीत ने बताया है।

बापू भवन में गोली मारने वाले की मौत

लखनऊ, (एजेंसी)। उप्र की राजधानी लखनऊ के बापू भवन सचिवालय में सोमवार को खुद को गोली मारने वाले घायल निजी सचिव विशम्भर दयाल का शुक्रवार को यहां लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज के दौरान निधन हो गया। बापू भवन स्थित सचिवालय में सोमवार को नगर विकास नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग के अपर मुख्य सचिव रजनीश दुबे के निजी सचिव विशम्भर दयाल ने खुद को गोली मार ली थी। उन्हे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था और आज उपचार के दौरान करीब पौने एक बजे श्री दयाल का निधन हो गया।

40 टन गाय के सींग तथा हड्डियां बरामद

चिक्कबलापुर, (एजेंसी)। कर्नाटक के चिक्कबलापुर में पुलिस ने बेंगलुरु-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन ट्रकों में लदे गाय, भैंस तथा अन्य जानवरों के कम से कम 40 टन सींग तथा हड्डियां बरामद की तथा इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि प्रारंभिक जांच के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी ट्रक चालक हैं तथा गुरुवार को हैदराबाद से बगेपली तालुका के गौनिपल्ली लेकर जा रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सदाकत अली,तौफीक, बशीर अंसारी हैं।

सी वोटर सर्वे : 100 सीटें ही जीत पाएगी सपा

यूपी में फिर आ रही योगी सरकार!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव 2022 के मद्देनजर जनता के मूड को जानने की कोशिश की गई है। साल 2022 की शुरुआत में देश के पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। यह चुनाव काफी अहम है, क्योंकि इसमें वो राज्य भी शामिल है, जहां पर देश की सबसे ज्यादा 80 लोकसभा की सीटें है। बीजेपी अगर 2024 में दोबारा केन्द्र की सत्ता में आना चाहती है तो उसे यूपी विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करनी ही होगी। इसके अलावा, उत्तराखंड, पंजाब के साथ गोवा और मणिपुर के चुनाव होने हैं।

यूपी में जनता किस मुद्दे को चुनेगी – उत्तर प्रदेश में किस मुद्दे पर जनता वोट करेगी, इसके जवाब में 3 फीसदी ने बताया भ्रष्टाचार, 39 फीसदी ने बताया बेरोजगारी, 26 फीसदी ने बताया महंगाई, 19 फीसदी ने बताया किसान, 10 फीसदी ने बताया कोरोना और तीन फीसदी ने अन्य मुद्दा बताया। यूपी में वोट शेयर पर किसा पार्टी का हिस्सा

एक न्यूज चैनल ने सी वोटर सर्वे में यह पता चला है कि बीजेपी गठबंधन को 42 फीसदी, समाजवादी पार्टी गठबंधन क 30 फीसदी, बहुजन समाज पार्टी को 16 फीसदी, कांग्रेस को 5 फीसदी और अन्य को 7 फीसदी वोट शेयर हासिल हो सकते हैं।

यूपी का गणित क्या हैउत्तर प्रदेश में बीजेपी को 259 से 267 सीटें मिल सकती है, समाजवादी पार्टी को 109-117 सीटें, बीएसपी को 12-16 सीटें, कांग्रेस को 3-7 सीटें और अन्य को 6-10 सीटें मिल सकती है।

गोवा में बीजेपी की बन सकती है सरकार

सरकारगोवा में बीजेपी एक बार फिर से सरकार बना सकती है। बीजेपी के खाते में 22 से 26 सीटें, कांग्रेस के खाते में 3-7 सीटें, आम आदमी पार्टी के खाते में 4-8 सीटें और अन्य के खाते में 3-7 सीटें जाने का अनुमान है। एबीपी न्यूज़ सी वोटर के मुताबिक, गोवा में बीजेपी को 39 फीसदी, कांग्रेस को 15 फीसदी, आम आदमी पार्टी को 22 फीसदी और अन्य को 24 फीसदी वोट हासिल हो सकते हैं।

मणिपुर में भाजपा आ सकती है

मणिपुर में किसे कितने वोट एक न्यूज चैनल और सी वोटर सर्वे के मुताबिक, मणिपुर में बीजेपी के खाते में 40 फीसदी वोट आने का अनुमान है। इसके अलावा, कांग्रेस के खाते में 35 फीसदी, एनपीएफ के खाते में 6 फीसदी और अन्य के खाते में 17 फीसदी वोट शेयर जाने का अनुमान है।

पंजाब में किसके खाते में आ सकते हैं कितने वोट

एक न्यूज चैनल व सी वोटर सर्वे के मुताबिक, पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में 28.8 फीसदी, शिरोमणि अकाली दल के खाते में 21.8 फीसदी, आम आदमी पार्टी के खाते में 35.1 फीसदी, बीजेपी के खाते में 7.3 फीसदी और अन्य के खाते में 7 फीसदी वोट आने का अनुमान है। एबीपी न्यूज़ सी वोटर सर्वे के मुताबिक, पंजाब में 18 फीसदी लोग कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। जबकि 22 फीसदी अरविंद केजरीवाल को, 19 फीसदी सुखबीर बादल को, 16 फीसदी लोग भगवंत मान को, 15 फीसदी नवजोत सिंह सिद्धू को और 10 फीसदी अन्य को मुख्यमंत्री उम्मीदवार देखना चाहते हैं। पंजाब में कांग्रेस को मिल सकती है 38 से 46 सीटें, %आप% को आ सकती है 51-57 सीटेंपंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर एक न्यूज चैनल और सी वोटर की तरफ से सर्वे किया गया। सर्वे के मुताबिक, 2022 चुनाव में कांग्रेस को 38 से 46 सीटें मिल सकती है।

घाटी में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में,वॉयस कॉल, ब्रॉडबैंड सुविधा शुरू

जम्मू ■ एजेंसी

गिलानी के निधन के बाद से घाटी में लगातार कड़े प्रतिबंध जारी

अलगाववादी हुर्रियत नेता सैयद अली शाह गिलानी के निधन के बाद से कश्मीर घाटी में लगातार कड़े प्रतिबंध जारी हैं। वहीं आईजीपी कश्मीर विजय सिंह ने कहा कि कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है।

उन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी टीएसपी की मोबाइल सेवा (वॉयस कॉल) और ब्रॉडबैंड शुक्रवार शाम 10 बजे से फिर से शुरू कर दी जाएगी।बता दें कि गिलानी की मौत के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अगले आदेश तक एहतियातन यातायात पर रोक लगा दी गई है। हाईवे पर वाहनों की कतारें लग गई हैं। प्रशासन की ओर से लगाई गई रोक के मद्देनजर बुधवार रात से ही ट्रैफिक पुलिस की तैनाती कर घाटी जाने वाले वाहनों को रोकना शुरू कर दिया गया था। यह सिलसिला शुक्रवार को भी जारी है।

यातायात पुलिस की तरफ से घोषणा करके भी वाहन चालकों को सूचित किया जा रहा है। शुक्रवार को बारामुला जिले में सुरक्षा समीक्षा बैठक के बाद जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि हम जल्द ही समीक्षा करेंगे, जिसके बाद इंटरनेट सेवा पर लगी पाबंदी हटाई जाएगी।

गीतकार जावेद अख्तर ने तालिबान से की आरएसएस की तुलना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मशहूर शायर और गीतकार जावेद अख्तर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना तालिबान से करते हुए कहा है कि इसे समर्थन देने वाले लोगों को आत्मचिंतन करना चाहिए। एक इंग्लिश न्यूज चैनल के साथ बातचीत में अख्तर ने कहा कि आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल जैसे संगठनों का भी उद्देश्य वही है, जो तालिबान का है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान इनके लक्ष्य की राह में आड़े आ रहा है लेकिन अगर मौका मिला तो ये उसी बाउंड्री को भी पार कर जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने पर इतरा रहे भारतीय मुस्लिमों के एक तबके की आलोचना कर चुके जावेद अख्तर ने बातचीत में कहा कि दुनियाभर में राइट विंग एक है।

इन्हें समर्थन देने वालों को आत्मचिंतन की जरूरत

1984 सिख विरोधी दंगा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने सज्जन की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

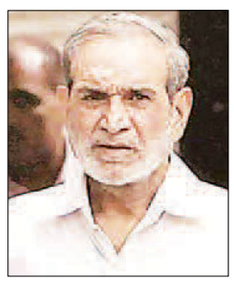

उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगा मामलों में जेल की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार को स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि मेडिकल रिकॉर्ड्स के अनुसार उसकी हालत स्थिर है और उसमें सुधार हो रहा है।

वकील ने दलील दी थी कि पूर्व सांसद को एक निजी अस्पताल में अपने खर्च पर इलाज कराने की अनुमति दी जाए। इस पर उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसका ''सुपर वीआईपी मरीज'' के तौर पर इलाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ओर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने कुमार की पैरवी करने वाले वकील से कहा, ''आपको लगता है कि वह देश में अकेले मरीज हैं जिनका इलाज किया जाना है। वह मरीजों में से एक हैं। पीठ ने कहा कि कुमार ''जघन्य अपराध'' के आरोपी हैं। उसने कहा, ''आप चाहते हैं कि उनका एक तरह के सुपर वीआईपी मरीज की तरह इलाज किया जाए। यही हो रहा है। सुनवाई की शुरुआत में कुमार के वकील ने मेडिकल रिकॉर्ड्स का हवाला दिया और कहा कि यहां एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी जांच की और रिपोर्ट कहती है कि उसकी हालत में सुधार है और अस्पताल में कुछ और दिन तक उसकी देखभाल की आवश्यकता है। वकील ने कहा कि डॉक्टरों ने समस्या का पता चलने के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं दिया है और कुमार का करीब 18 किलोग्राम वजन कम हो गया है। उन्होंने कहा कि 75 वर्षीय कुमार का पहले एक निजी अस्पताल के डॉक्टर ने इलाज किया था और हिरासत में रहते हुए अपने खर्च पर उसका वहां इलाज हो सकता है।

तमिल में मंत्रजाप कर सकेंगे श्रद्धालु

चेन्नई, (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंदिरों में संस्कृत की बजाय तमिल में मंत्रजाप (अर्चना) करने की अनुमति देने संबंधी तमिलनाडु सरकार के हालिया फैसले के खिलाफ दायर जनहित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति पी.डी. ऑडिकेसावालु की प्रथम पीठ ने राज्य सरकार को 'अन्नई तमिल अर्चनई' योजना को वापस लेने का निर्देश देने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। यह योजना श्रद्धालुओं को गर्भगृह के अंदर पूजा करते समय पुजारी से संस्कृत के बजाय तमिल में मंत्रों के जाप करवाने का विकल्प चुनने की अनुमति देती है। पीठ ने कहा कि यह मुद्दा अब 'कानून का एक अनसुलझा प्रश्न' नहीं रह गया है, लिहाजा इस पर सुनवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एलीपे धर्मा राव और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के. चंद्रू की एक अन्य खंडपीठ ने 1998 में दायर कई मामलों को मार्च 2008 में यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह माना गया कि आगम शास्त्र तमिल में मंत्रों के जाप पर रोक नहीं लगाता है।

मद्रास हाईकोर्ट में इसके खिलाफ लगी याचिका खारिज

घोटाले मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार तक सरकार से मांगी जांच रिपोर्ट

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने प्रदेश के श्रम विभाग के अंतर्गत प्रकाश में आये 20 करोड़ के तथाकथित घोटाले मामले में सरकार को सोमवार तक प्रकरण की जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करने के निर्देश दिए हैं। अदालत के सख्त रूख के बाद सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की युगलपीठ में शुक्रवार को याचिकाकर्ता खुर्शीद अहमद की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि इस प्रकरण की प्राथमिक जांच पूरी हो गई है। पांच सदस्यीय टीम की ओर से जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी गई है। इसके बाद अदालत की ओर से सरकार को निर्देश दिए गए कि रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में सोमवार तक अदालत में पेश करे।

दिवंगत भाटिया, खुराना, गुलजार, कलकत और किसानों को पंजाब विधानसभा में श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के गुरू तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व पर बुलाये गये एक दिन के विशेष सत्र में दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुनंदन लाल भाटिया, राज्य मंत्री गुरनाम सिंह अबुल खुराना, गुलजार सिंह, सुरजीत कौर कलकत, चौधरी राधा कृष्ण, राज्य मंत्री इंदरजीत सिंह जीरा, मुख्य संसदीय सचिव जगदीश साहनी, विधायक सुखदर्शन सिंह मराड़ और जगराज सिंह गिल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सदन ने इसके अलावा सैन्य अभियान में शहीद हुये सिपाही प्रभजीत सिंह, गुरजंट सिंह, उप निरीक्षक गुरमुख सिंह स्वतंत्रता सेनानी काला सिंह, गुरदेव सिंह, रंजीत सिंह, सुलक्खन सिंह, मशहूर एथलीट मिलखा सिंह और मान कौर, राज्य के पूर्व मुख्य सचिव वाई. एस. रतड़ा, पूर्व आईपीएस अधिकारी मोहम्मद इजहार आलम, क्रिड के संस्थापक रछपाल मल्होत्रा, एसजीपीसी सदस्य मोहिंदर सिंह धौस, बाबा बड़भाग सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति दिलावर सिंह तथा केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन के दौरान मृत्यु हो प्राप्त होने वाले किसानों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पत्रकार वार्ता | पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो का 51 स्थापना दिवस आज

जेलों को महानगरों की भीड़भाड़ से बाहर बनाया जाए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंड डी) देश में जेल सुधारों के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है और उसका मानना है कि जेलों को महानगरों में भीड़ भाड़ के क्षेत्रों से बाहर बनाया जाना चाहिए। ब्यूरो के महानिदेशक बालाजी श्रीवास्तव ने संगठन के 51 वें स्थापना दिवस समारोह से एक दिन पहले शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले पांच दशकों में भारतीय पुलिस को आकार देने में ब्यूरो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुलिस बलों को नये बदलावों और चुनौतियों के साथ तालमेल बनाने में मदद के

लिए विशेष प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा अनुसंधान किये जा रहे हैं और पुलिस बलों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्यूरो पुलिसिंग से जुड़े हर क्षेत्र में विकास और अनुसंधान का काम कर रहा है।

ब्यूरो का मुख्य उद्देश्य सरकार को पुलिस से संबंधित नीति, आधुनिकीकरण, अनुसंधान और क्षमता निर्माण संबंधी विषयों को तैयार करने और उन पर अमल के बारे में परामर्श देना है। संगठन राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत आतंकवाद रोधी योजनाओं और साइबर अपराधों की बदलती चुनौतियों से निपटने में भी पुलिस को सक्षम बनाने के लिए काम करता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ब्यूरो जेल सुधारों के क्षेत्र में कैदियों की भीड़, ढांचागत सुविधाओं, आधुनिकीकरण तथा अन्य विषयों पर व्यापक काम कर रहा है। जेलों के महानगरों में भीड़भाड़ के क्षेत्रों में बने होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये बाहर बनायी जानी चाहिए।

ब्यूरो की स्थापना

ब्यूरो की स्थापना 28 अगस्त 1970 में की गई थी। कार्यक्रम में पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री पदक और सर्वश्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री ट्राफी प्रदान की जाएगी। श्री शाह टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारोत्तोलक साईखोम मीराबाई चानू को भी सम्मानित करेंगे। सुश्री चानू अब मणिपुर पुलिस में अतिरिक्त अधीक्षक हैं। इस दौरान हिन्दी लेखन के लिए गोविंद वल्लभ पंत पुरस्कार भी प्रदान किये जाएंगे।

तालिबान ने चीन को बताया अपना साथी, भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

बीजिंग (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के पूरी तरह से कब्जे के बाद अब वहां उसकी सत्ता व्यवस्था भी हो गई है। अफगानिस्तान में अब तालिबान राज शुरू होने जा रहा है। भीषण हिंसा और खौफ के बीच वहां 20 साल बाद तालिबान की वापसी हो रही है। पूरी दुनिया की नजर अफगानिस्तान की ताजा स्थिति पर है। हालांकि अफगानिस्तान के नागरिक लगातार देश छोड़ने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं। इन सबके बीच तालिबान के प्रवक्ता ने चीन को लेकर अहम बयान दिया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद इन ने चीन को अपना सबसे बड़ा साथी बताया है। आशंका इस बात की जताई जा रही है कि बर्बादी के कगार पर खड़े अफगानिस्तान को तालिबान चीन के हवाले कर सकता है।

भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

इसी को लेकर तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारे लिए एक सुनहरा मौका है। चीन हमारे देश में निवेश कर फिर से इसे खड़ा कर देगा। एक न्यूज़ पोर्टल पर छपी खबर के मुताबिक अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर कॉपर के खदाने हैं। आने वाले दिनों में चीन उन पर अपना कब्जा जमा सकता है। चीन और तालिबान का एक साथ होना भारत के लिए भी मुसीबत है। तालिबान लगातार चीन से मदद की आस लगाकर बैठा हुआ है। वहीं चीन उसे हर तरह से समर्थन कर रहा है जिसका भारत लगातार विरोध करता रहा है।

हाल में ही भारत में वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट का विरोध किया था। लेकिन तालिबान ने उसे बेहतरीन बताया है। यह चीन का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसकी वजह से अफ्रीका, एशिया और यूरोप को पोर्ट, रेल और सड़क मार्ग से जोड़ा जा सकता है। इसे अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए भी तालिबान अच्छा मान रहा है। चीन पर तालिबान की निर्भरता कहीं ना कहीं भारत के लिए किसी झटके से कम नहीं है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान में करोड़ों के निवेश किए है। ऐसे में चीन की अफगानिस्तान में ज्यादा दखलअंदाजी भारत के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। वैसे भी पाकिस्तान, चीन और तालिबान की तुकबंदी भारत के लिए एक नई मुसीबत आने वाले दिनों में ला सकती है।

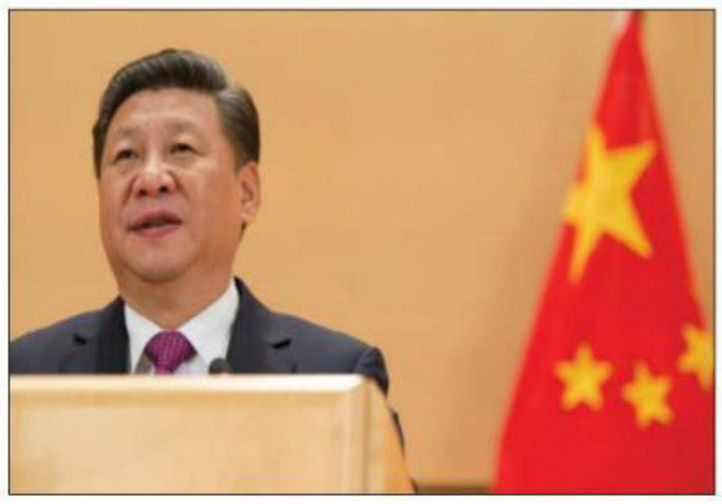

सार समाचार

अफगानिस्तान में अपना कामकाज बहाल करेगी वेस्टर्न यूनियन: तालिबान

काबुल। तालिबान ने कहा है कि वेस्टर्न यूनियन अफगानिस्तान में अपना कामकाज फिर से शुरू करेगी। इससे नकदी की कमी का सामना कर रहे देश में विदेशी धन के प्रवाह का एक दुर्लभ माध्यम खुल जाएगा। समूह के सांस्कृतिक आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्ला मुत्ताकी ने शुक्रवार को इस फैसले की घोषणा की। गौरतलब है कि 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद अमेरिकी वित्तीय सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अफगानिस्तान में अपना कामकाज बंद कर दिया था। इस फैसले से उन अफगानियों को खास राहत मिलेगी जिनके रिश्तेदार विदेशों में रहते हैं।संकटग्रस्ट देश में लोग रोजाना सैकड़ों की संख्या में बैंकों के बाहर नकदी निकालने के लिए लाइन लगा रहे हैं।यहां एक दिन की धन निकासी सीमा 200 डॉलर तय है और एटीएम मशीनें काम नहीं कर रही हैं।

इजरायली मिसाइल हमले ने दमिश्क को निशाना बनाया

दमिश्क। इजरायल ने ताजा मिसाइल हमले में दमिश्क के स्थलों को अपना निशाना बनाया। इसकी जानकारी सना एजेंसी ने दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई वायु रक्षा ने दमिश्क के दक्षिण-पश्चिमी ग्रामीण इलाकों में मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया क्योंकि इंटरसेप्शन की आवाज राजधानी में स्पष्ट रूप से सुनी गई थी। सना ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इजरायली हमला लेबनानी हवाई क्षेत्र के अंदर से किया गया। वायु रक्षा ने अधिकांश मिसाइलों को रोक दिया। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर ने कहा कि इजरायली हमले ने दमिश्क में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। इजरायली हमला सीरिया में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कड़ी में नवीनतम है। दक्षिणी प्रांत कुनेइत्रा में 20 अगस्त को, साइटों पर हमला करने के दो दिन बाद, इजरायल ने दमिश्क में कई सैन्य स्थलों पर हमला किया।

इजरायली संसद ने राज्य के बजट को मंजूरी दी

तेल अवीव। इजरायल की संसद ने दो साल के राजनीतिक गतिरोध के बाद शुरुआती वोट वर्षों में राज्य के बजट को मंजूरी दे दी है। संसद के एक प्रवक्ता, या केसेट ने एक बयान में कहा, गुरुवार को, सांसदों ने प्रस्तावित बजट के पक्ष में 59-54 वोट दिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वोट का मतलब है कि बजट को अंतिम मंजूरी मिलने से पहले अभी भी दो अतिरिक्त दौर के वोटों को पारित करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय द्वारा पहले जारी एक बयान के अनुसार, 2021 के लिए राज्य का बजट लगभग 432.5 बिलियन शेकेल (135 अरब डॉलर) और 2022 के लिए लगभग 452.5 अरब शेकेल (141 अरब डॉलर) होगा। अनुमोदन को व्यापक रूप से प्रधान मंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली क्रॉस-पार्टिसन गठबंधन सरकार के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जाता है, जो जून में देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेता बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तराधिकारी बने। बजट प्रस्ताव को अगस्त की शुरूआत में बेनेट की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। यह अब एक संसद समिति में चर्चा के लिए जाएगा, जो इसे केसेट प्लेनम में दूसरे और तीसरे दौर के वोट के लिए तैयार करेगी। बजट को नेसेट द्वारा 5 नवंबर की समय सीमा तक अनुमोदित करने की आवश्यकता है, वरना संसद स्वतः भंग हो जाएगी और नए चुनाव बुलाए जाएंगे। पिछले दो वर्षों के राजनीतिक गतिरोध और चार चुनावों के दौरान, इजरायल ने 2019 के लिए राज्य के बजट के एक संस्करण का उपयोग किया, जिसे मार्च 2018 में अनुमोदित किया गया था।

इस्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया

तेल अवीव। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों के संबंध सामान्य होने के लगभग एक साल बाद इस्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया है। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को बयान के हवाले से कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इजरायली दूतावास में मिशन के अस्थायी प्रमुख के रूप में आठ महीने तक काम करने वाले ईतान नाहे को बहरीन में पहले इजरायली राजदूत के रूप में नियुक्त किया। यह कदम इजरायल में पहले बहरीन के राजदूत खालिद यूसुफ अल जलहमा के यहूदी राज्य में आने और खाड़ी राज्य के दूतावास का उद्घाटन करने के दो दिन बाद आया है। यूएई और बहरीन ने सितंबर 2020 में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए यूएस-ब्रोकरेड समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बाद में सूडान और मोरक्को ने इस कदम का अनुसरण किया।

गाजा में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में फिलीस्तीनी मारा गया

गाजा। गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमा क्षेत्र के पास इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान एक फिलिस्तीनी व्यक्ति की मौत हो गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमास द्वारा संचालित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 26 वर्षीय अहमद सल्हेह की गुरुवार रात को इजरायली सैनिकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मंत्रालय ने कहा कि 5 बच्चों सहित 15 फिलिस्तीनी इजरायली सैनिकों द्वारा घायल हो गए, उनमें से 5 को गोला बारूद से गोली मार दी गई और 10 अन्य का आंसू गैस के कारण दम घुट गया। गुरुवार की रात, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि दर्जनों प्रदर्शनकारी, रात में अशांति इकाई के सदस्य पूर्वी गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार छठे दिन इक्ट्ठे हुए। यूनिट के सदस्य 14 साल से ज्यादा समय से गरीब तटीय एन्क्लेव पर लगाए गए इजरायली नाकाबंदी को जारी रखने के विरोध में इजरायल के साथ सीमा के पास हर रात प्रदर्शन कर रहे हैं। यूनिट में हमास सहित कई फिलिस्तीनी गुटों के सदस्य और समर्थक शामिल हैं, जो राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सुरक्षा बलों को बाहर करने के बाद 2007 से गाजा पट्टी पर शासन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी आमतौर पर टायर जलाते हैं, घर के बने हथगोले में विस्फोट करते हैं और इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष करते हैं, जो आमतौर पर उन्हें तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाते हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद इजरायल ने केरेम शालोम के एकमात्र वाणिज्यिक क्रॉसिंग को फिर से खोल दिया और गाजा तट से मछली पकड़ने के क्षेत्र को 15 समुद्री मील तक बढ़ा दिया। इजरायली मीडिया ने पहले बताया कि इजरायल ने पीने योग्य पानी भी पंप किया, गाजा में अधिक निर्माण मेटेरियल के प्रवेश की अनुमति दी और गाजा व्यापारियों के लिए 2,000 से 7,000 तक इजरायल में प्रवेश करने के लिए परमिट की संख्या में बढ़ोतरी की।

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोप से वार्ता में रचनात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किया

तेहरान (एजेंसी)।

ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने तेहरान के परमाणु हितों की रक्षा के लिए यूरोप के रचनात्मक अधिनियम का आह्वान किया, जिसे 2015 के परमाणु समझौते से वाशिंगटन की एकतरफा वापसी के बाद नुकसान हुआ था।

अमीर अब्दुल्लाहियन ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि संयुक्त व्यापक कार्य योजना से बाहर निकलने और ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाने के लिए 2018 में अवैध अमेरिकी उपाय, साथ ही इस संबंध में यूरोपीय देशों की निष्क्रियता वर्तमान प्रतिकूल स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। समाचार एजेंसी ने ईरानी मंत्री के हवाले से कहा कि दुर्भाग्य से, वर्तमान अमेरिकी सरकार ने तेहरान पर दबाव बनाने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रतिबंधों का उपयोग करना जारी रखा है। अमीर अब्दुल्लाहियन ने कहा कि हालांकि उन्हें यह पता होना चाहिए कि हम इस तरह के दबावों के सामने आत्मसमर्पण नहीं करते हैं। ईरान के अधिकारों और हितों की रक्षा में, उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया कि इस्लामिक गणराज्य वार्ता में भाग लेने के लिए तैयार है जो ठोस परिणाम लाएगा। वहीं ले ड्रियन ने आशा व्यक्त की कि जेसीपीओए के पुनरुद्धार पर बातचीत फिर से शुरू होगी और इसके परिणाम जल्द आएगा। जेसीपीओए संयुक्त आयोग ने 6 अप्रैल को वियना में व्यक्तिगत रूप से बातचीत शुरू की, ताकि समझौते के लिए वाशिंगटन की संभावित वापसी और सौदे के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को कैसे सुनिश्चित किया जा सके।

नई अफगान सरकार का नेतृत्व करेगा बरादर, अहम भूमिका में होगा मुल्ला उमर का बेटा

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान का सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर एक नई अफगान सरकार का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, जिसकी घोषणा जल्द ही की जा सकती है। इस्लामिक आतंकी समूह के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम तब सामने आया है, जब तालिबान पंजशीर घाटी में विद्रोही लड़ाकों से जूझ रहा है और दूसरे मोर्चे पर आर्थिक पतन को रोकने का प्रयास कर रहा है। टोलो न्यूज ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि बरादर, जो दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय का प्रमुख है, उसके साथ तालिबान के दिवंगत सह-संस्थापक मुल्ला उमर का बेटा मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई सरकार में वरिष्ठ पदों पर शामिल होंगे। तालिबान के एक अधिकारी ने एक वैश्विक न्यूज वायर को बताया, सभी शीर्ष नेता काबुल पहुंच गए हैं, जहां नई सरकार की घोषणा करने की तैयारी अंतिम चरण में है। तालिबान के एक अन्य सूत्र ने कहा कि तालिबान का सर्वोच्च धार्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा इस्लाम के ढांचे के भीतर धार्मिक मामलों और शासन पर ध्यान केंद्रित करेग। तालिबान, जिसने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था, वह देश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक रूप से अपना नियंत्रण स्थापित कर चुका है। हालांकि उसे भारी लड़ाई और हताहतों की रिपोर्ट के साथ, राजधानी के उत्तर में पंजशीर घाटी में प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और अभी तक भी वह पंजीशीर घाटी पर अपना नियंत्रण स्थापित नहीं कर पाया है।

मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद के नेतृत्व में क्षेत्रीय मिलिशिया के कई हजार लड़ाके और सरकार के सशस्त्र बलों के कुछ सैनिक बीहड़ घाटी में जमा हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी समझौते पर बातचीत करने के प्रयास विफल हो गए हैं और प्रत्येक पक्ष विफलता के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहा है। टोलो न्यूज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दाताओं और निवेशकों की नजर में सरकार की वैधता लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था और एक संघर्ष की तबाही को देखते हुए महत्वपूर्ण होगी, जिसमें अनुमानित 240,000 अफगान मारे गए हैं। मानवीय समूहों ने एक बुरी तबाही वाली स्थिति की चेतावनी दी है और कई लाखों डॉलर की विदेशी सहायता पर वर्षों से निर्भर अर्थव्यवस्था ढहने के करीब है। सहायता एजेंसियों ने कहा है कि कई अफगान तालिबान के सत्ता में आने से पहले भीषण सूखे के बीच अपने परिवारों को खाना खिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और लाखों लोग अब भुखमरी का सामना कर सकते हैं।

बाइडेन एडमिन ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व का दोहन किया

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन तूफान ईडा के कारण ईंधन की कमी को दूर करने के लिए देश के सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) से 15 लाख बैरल कच्चा तेल जारी कर रहा है।

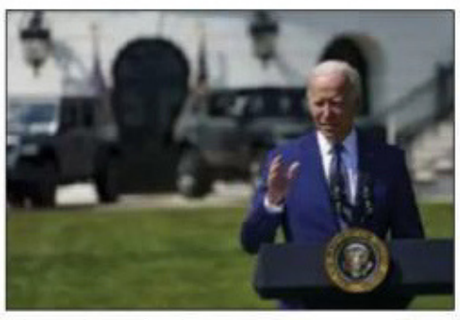

व्हाइट हाउस प्रेस ने कहा, ऊर्जा विभाग ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व को एक्सॉनमोबिल बैटन रूज के साथ 15 लाख बैरल कच्चे तेल का आदान-प्रदान करने के लिए अधिकृत किया है ताकि आपूर्ति में व्यवधान को दूर किया जा सके और क्षेत्र में रिफाइनर को कच्चे तेल तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके। सचिव जेन साकी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, एसपीआर से चार साल में यह पहला ऐसा एक्सचेंज है। साकी ने कहा, यह कार्रवाई ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने और क्षेत्र में कीमतों के दबाव को दूर करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया नवीनतम कदम है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा विभाग ने एक अलग बयान में कहा कि यह तूफान ईडा से प्रभावित क्षेत्रों के भीतर कच्चे तेल को स्थानांतरित करने के किसी भी तार्क मुद्दे को कम करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस क्षेत्र में ईंधन की पहुंच जल्द से जल्द हो। विभाग ने कहा कि यह रिफाइनर को प्रभावित क्षेत्र के लिए परिष्कृत उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एसपीआर जैसे विकल्पों के माध्यम से उन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसपीआर, आपातकालीन कच्चे तेल की दुनिया की सबसे बड़ी आपूर्ति, 1970 के दशक में अमेरिकी संघीय सरकार द्वारा मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में व्यवधान के प्रभाव को कम करने के लिए स्थापित की गई थी। ऊर्जा विभाग के अनुसार, 20 अगस्त तक, एसपीआर में 62.13 करोड़ बैरल कच्चा तेल था, जिसमें 36.81 करोड़ बैरल खट्टा कच्चा और 25.32 करोड़ बैरल मीठा कच्चा तेल शामिल था। पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने से पहले, तूफान ईडा ने लुइसियाना और मिसिसिपी में पहले ही व्यापक कहर बरपाया था, जिससे चार लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों हजारों लोगों की बिजली गुल हो गई थी। सीएनएन के अनुसार, मैक्सिको की खाड़ी के तेल उत्पादन का 93 प्रतिशत से अधिक ऑफलाइन रहता है और न्यू ऑरलियन्स और बैटन रूज में दो-तिहाई गैस स्टेशन ईडा के बाद गैसोलीन से बाहर हो गए हैं।

श्रीलंका ने लिट्टे को आतंकवादी संगठन मानने के यूके के निर्णय की सराहना की

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंध लगाने के ब्रिटेन के कदम की सराहना की है।

गुरुवार को कोलंबो में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार को इस बात से अवगत कराया गया है कि यूके के गृह सचिव ने ब्रिटेन के आतंकवाद् अधिनियम संख्या 7 के तहत लिट्टे पर प्रतिबंध को जारी रखने केफैसले का स्वागत किया। आयोग ने ब्रिटेन में समूह को गैर-प्रतिबंधित करने के लिए लिट्टे के एक फ्रंट संगठन के आवेदन को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने कहा, लिट्टे यूके में एक प्रतिबंधित संगठन बना हुआ है, जैसा कि यह यूरोपीय संघ के क्षेत्र सहित दुनिया भर के 30 से अधिक अन्य देशों में प्रतिबंधित है। लिट्टे को शुरू में इन देशों में प्रतिबंधित किया गया था क्योंकि समूह की क्रूरता और अत्याचारों के कारण वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर रही थी। यूके ने तमिल विद्रोही समूह को सूचीबद्ध किया, जो 2000 की शुरूआत में एक आतंकवादी संगठन के रूप में उत्तरी और पूर्वी श्रीलंका से एक अलग क्षेत्र के लिए लड़ाई लड़ी। हालांकि, अक्टूबर 2020 में प्रतिबंधित संगठन अपील आयोग(पीओएसी) ने लिट्टे को इस सूची से हटाने का निर्णय लिया था। मई 2019 में इसके लिए फ्रंट संगठन ने अपील की थी।

आयोग ने माना था कि यूके होम ऑफिस का लिट्टे को आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित रखने का निर्णय त्रुटिपूर्ण और गैरकानूनी था। हालांकि श्रीलंका ने आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करते हुए कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि लिट्टे के अवशेष और इसकी आतंकवादी विचारधारा से जुड़े समूह सक्रिय हैं जो विदेशों में, हिंसा भड़काने और द्वीप राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। 1991 में पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की हत्या के विद्रोही समूह पर आरोप लगने के बाद भारत ने लिट्टे पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध को समय-समय पर नवीनीकृत किया गया था और मई 2019 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) और (3) के तहत प्रतिबंध को पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया था।

क्या है डूरंड रेखा विवाद, जिसको लेकर तालिबान-पाकिस्तान में खिंच सकती हैं तलवारें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डूरंड रेखा विवाद ऐसा मुद्दा है जिसने दशकों से अफगानों और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बोया है और तालिबान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में एक संभावित तकरार की संभावना जगा दी है। इस हफ्ते की शुरुआत में तालिबान जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान में एक पश्तो चैनल से बात करते हुए डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बनाई गई बाड़ पर अपना विरोध जताया। उन्होंने कहा कि नई अफगान सरकार इस मुद्दे पर अपनी स्थिति की घोषणा करेगी। मुजाहिद ने कहा कि बाड़ ने लोगों को अलग कर दिया है और परिवारों को विभाजित कर दिया है। हम सीमा पर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं, इसलिए अवरोध पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

पश्तून को विभाजित करने वाली रेखा

डूरंड रेखा रूसी और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के खेल की विरासत है जिसमें अफगानिस्तान को अंग्रेजों द्वारा रूस के विस्तारवाद की भय की वजह से के खिलाफ एक बफर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। 12 नवंबर 1893 में अफगान शासक आमिर अब्दुल खान और ब्रिटिश सरकार के सचिव सर मार्टिमर डूरंड ने सरहद हदबंधी के समझौते पर दस्तखत किए। दूसरे अफगान युद्ध की समाप्ति के दो वर्ष बाद 1880 में अब्दुर रहमान राजा बने, जिसमें अंग्रेजों ने कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया जो अफगान साम्राज्य का हिस्सा थे। डूरंड के साथ उनके समझौते ने भारत के साथ अफगान 'सीमा' पर उनके और ब्रिटिश भारत के 'प्रभाव के क्षेत्रों' की सीमाओं का सीमांकन किया। डूरंड्स कर्सः ए लाइन अक्रॉस द पठान हार्ट नामक किताब के लेखर राजीव डोगरा के अनुसार सात-खंड के समझौते ने 2,670 किलोमीटर की रेखा को मान्यता दी। डूरंड ने आमिर के साथ अपनी बातचीत के दौरान अफगानिस्तान के एक छोटे से नक्शे पर खींच दी थी। 2,670 किलोमीटर की रेखा चीन की सीमा से लेकर ईरान के साथ अफगानिस्तान की सीमा तक फैली हुई है। इसके खंड 4 में कहा गया है कि 'सीमा रेखा' को विस्तार से निर्धारित किया जाएगा और ब्रिटिश और अफगान आयुक्तों द्वारा सीमांकित किया जाएगा। जिसमें स्थानीय गावों के हितों को शामिल करने की भी बात थी।

वास्तविकता इससे काफी अलग

वास्तव में रेखा पश्तून आदिवासी क्षेत्रों से होकर गुजरती है, जिससे गाँव, परिवार और भूमि का बंटवारा हो जाता है। इसे 'घृणा की रेखा', मनमाना, अतार्किक, क्रूर और पश्तूनों पर एक छल के रूप में वर्णित किया गया है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह पश्तूनों को विभाजित करने की एक चाल थी ताकि अंग्रेज उन पर आसानी से नियंत्रण रख सकें। इससे वे खाबेर दर्रे को अपने कब्जे में रखना चाहते थे।

अफगान-पाक तनाव

1947 में स्वतंत्रता के साथ भारत-पाक बंटवारा हुआ और उसे डूरंड रेखा विरासत में मिली। इसके साथ ही पश्तून ने रेखा को अस्वीकार कर दिया और अफगानिस्तान द्वारा इसे मान्यता देने से इनकार कर दिया। 1947 में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के शामिल होने के खिलाफ मतदान करने वाला अफगानिस्तान एकमात्र देश था।

पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश

विभाजन के समय खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा - पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश की गई एक मांग थी, हालांकि बाद में उन्होंने खुद इस्तीफा दे दिया। फ्रंटियर गांधी की भारत से नजदीकी भी भारत पाकिस्तान के बीच तनावों के तात्कालीन कारणों में से एक था। पश्तून राष्ट्रवाद को भारतीय समर्थन का डर आज भी पाकिस्तान को सताता है जो उसकी अफगान नीति में झलकता है। तालिबान के लिए पाकिस्तान के निर्माण और समर्थन को कुछ लोग इस्लामिक पहचान के साथ जातीय पश्तून राष्ट्रवाद को खत्म करने के कदम के रूप में देखते हैं। लेकिन पाकिस्तान ने जिस तरह से योजना बनाई थी वो पूरी तरह कारगर साबित नहीं हो पाई। अब तालिबान ने काबुल फतह के बादडूरंड रेखा को ही खारिज कर दिया।

न्यूजीलैंड सुपरमार्केट में हुआ आतंकवादी हमला

ऑकलैंड (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने शुक्रवार को पुष्टि की कि ऑकलैंड के न्यू लिन सुपरमार्केट में हुआ हिंसक हमला एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा किया गया आतंकवादी हमला था। जिसे पुलिस ने गोली मार दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा सेंट जॉन्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोपहर करीब 2.40 बजे हुए हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। अर्डर्न ने वेलिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक हिंसक व्यक्ति ने ऑकलैंड में न्यू लिन काउंटडाउन में निर्दोष न्यूजीलैंडवासियों पर आतंकवादी हमला किया। उन्होंने कहा कि यह एक हिंसक हमला था। यह मूर्खतापूर्ण था और मुझे खेद है कि ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हमले के लगभग एक मिनट के भीतर अपराधी को गोली मार दी। अर्डर्न के अनुसार, हमलावर एक श्रीलंकाई नागरिक था जो 2011 में न्यूजीलैंड आया था और 2016 से न्यूजीलैंड पुलिस द्वारा उसकी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित विचारधारा के लिए कड़ी निगरानी की जा रही थी। हालांकि, यह अज्ञात है कि यह व्यक्ति न्यूजीलैंड का नागरिक है या नहीं। न्यूजीलैंड के पुलिस आयुक्त एंड्रयू कोस्टर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि हमले के पीछे व्यक्ति अपनी विचारधारा को कड़ी निगरानी में था। हमले से पहले उस व्यक्ति ने ग्लेन ईडन से पश्चिमी ऑकलैंड के लिनमॉल में काउंटडाउन तक यात्रा की थी। जिसपर निगरानी टीमों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही थी। उसने काउंटडाउन सुपरमार्केट में प्रवेश किया जहां उसे एक चाकू मिला। कोस्टर के अनुसार, निगरानी दल उसके काफी करीब थे, और जब हंगामा शुरू हुआ तो उन्होंने कार्रवाई की। कॉस्टर ने कहा कि जब वह व्यक्ति चाकू लेकर उनके पास पहुंचा, तो उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। सशस्त्र पुलिस ने सुरक्षा के तहत आस-पास की सड़कों को बंद कर दिया है। शुक्रवार का हमला न्यूजीलैंड के सबसे खराब आतंकी हमले के दो साल बाद हुआ, जब 2019 में क्राइस्टचर्च में दो मस्जिदों में एक श्वेत वर्चस्ववादी बंदूकधारी ने 51 मुस्लिम उपासकों की हत्या कर दी थी।

जलजमाव की समस्या पर अयोजित बैठक में मनीष सिसोदिया ने दिए निर्देश

जलजमाव वाले स्थानों को किया जाए चिन्हित

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय (शिवालिक)। दिल्ली में जल जमाव की समस्या को लेकर शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की गई। बैठक में उपराज्यपाल अनिल बैजल, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतेंद्र जैन, दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव, तीनों एमसीडी के कमिश्नर सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल रहे।

दिल्ली में जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए उपमुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को कॉर्डिनेशन के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस समस्या से निजात पाने के लिए दिल्ली में जलजमाव की जगहों को चिन्हित किया जाए और उस पर माइक्रो लेवल पर काम किया जाए। इसके बाद ही इस समस्या से छुटकारा मिल पाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस समस्या को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए शार्ट टर्म और लांग टर्म प्लानिंग बनाई जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में इस बार पिछले कई सालों से ज्यादा बारिश हुई है और कई जगह जल जमाव का सामना करना पड़ा

सभी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने की जरूरत : मनीष सिसोदिया

है। इस समस्या को खत्म करने के लिए ये बेहद जरूरी है कि इससे संबंधित सभी एजेंसीज साथ मिलकर कॉर्डिनेशन के साथ इस समस्या से निपटने के लिए शार्ट टर्म और लांग टर्म प्लान बनाए और उसे एक्जिक्यूट करे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल जब भी बारिश हुई तब आईटीओ के पास और एनएच 24 के स्लिप रोड पर तालाब बन गया। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान तभी होगा जब एनएचएआई, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य सभी एजेंसी मिलकर काम करें। उन्होंने अधिकारियों को सभी एजेंसी के अधिकारियों को मिलाकर एक एक्सपर्ट कमिटी गठित करने का निर्देश दिया। ये कमेटी पूरी हॉलिस्टिक एप्रोच से जल जमाव की समस्या को देखेगी और उसके समाधान के लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म प्लान बनाएगी।बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि जरूरत इस बात की है कि जल जमाव की जगहों को चिन्हित कर उस पर माइक्रो लेवल पर काम हो। जिम्मेदार प्राइमरी एजेंसी की जवाबदेही तय हो और बाकी एजेंसी उसके साथ समन्वय बनाए। उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली के दो प्रमुख स्थानों आईटीओ और एनएच-24 के पास होने वाले जल जमाव की समस्या को रेखांकित करते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द इन दोनों जगहों पर जलजमाव की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए।

दिल्ली के सभी प्रमुख नालों की सफाई के साथ होगा सौन्दर्यीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने राजधानी में विभिन्न नालों और झीलों के सौंदर्यीकरण की योजना पर चर्चा की। दिल्ली सरकार यमुना में बहने वाले प्रमुख नालों के कायाकल्प और सौंदर्यीकरण की दिशा में काम कर रही है। इनमें नजफगढ़, सप्लीमेंट्री और शाहदरा सहित कुछ ऐसे नाले हैं जिन्हें साफ और सुंदर बनाया जाएगा। सत्येंद्र जैन ने कहा कि नजफगढ़, सप्लीमेंट्री और शाहदरा नालों जैसे सभी प्रमुख नालों को फिर से साफ पानी के चैनलों में बदला जाएगा। वर्तमान में ये नाले सूखे कूड़े, कीचड़ और गंदे पानी की वजह से प्रदूषित हैं। उन्होंने विभाग को नालों के पानी की गुणवत्ता को बढ़ाने में बाधा उत्पन्न करने वाली समस्याओं के समाधान ढूंढने निर्देश दिए। सत्येंद्र जैन ने स्पष्ट किया कि यमुना की सफाई दिल्ली सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। कई एजेंसियों के साथ काम करने से योजना को रफ्तार मिलेगी। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मंत्री सत्येंद्र जैन ने नजफगढ़, सप्लीमेंट्री और शाहदरा नाले के कायाकल्प और सौंदर्यीकरण के लिए निर्धारित योजना की समीक्षा की। सत्येंद्र जैन ने कहा कि नजफगढ़, सप्लीमेंट्री और शाहदरा नाले जैसे सभी प्रमुख नालों को फिर से साफ पानी के चैनलों में परिवर्तित किया जाएगा। दिल्ली सरकार इन नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण करेगी। जिसके बाद यमुना में बहने वाले नालों में केवल साफ पानी ही बहेगा। उन्होंने आगे कहा कि इससे नालों से सटे क्षेत्र के भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली विधानसभा में मिली अंग्रजों के जमाने की सुरंग

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली। दिल्ली की विधानसभा की जमीन के भीतर एक सुरंग की तरह ढांचा मिला है और यह सुरंग लाल किले से जाकर मिलती है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल का कहना है कि इस सुरंग का निर्माण कब हुआ, इसके बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंसा से बचने के लिए अंग्रेजों ने इस सुरंग का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि हमने इस सुरंग की शुरुआत तो ढूंढ निकाली है लेकिन इसे आगे खोदा नहीं गया है। उन्होंने कहा,जल्द ही हम इस सुरंग की मरम्मत करेंगे।

इसके बाद इसे आम लोग देख सकेंगे। हमें उम्मीद है कि सुरंग की मरम्मत का काम अगले साल 15 अगस्त तक पूरा हो जाना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, दिल्ली विधानसभा के अंदर बनी सुरंग के साथ फांसी घर को आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है। गोयल ने बताया, 75वें वर्ष की वर्षगांठ में अगली 26 जनवरी या 15 अगस्त से

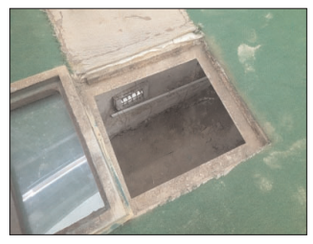

पहले इन्हें एक स्वरूप देकर आम जनता के लिए खोला जाएगा। उन्होंने कहा, पर्यटन विभाग को शनिवार और रविवार को विधानसभा में लोगों को लाने की अनुमति मिले, इसी के अनुसार विधानसभा का ढांचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा,हालांकि इसके इतिहास पर कोई स्पष्टता नहीं है, लेकिन इसका इस्तेमाल अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों को स्थानांतरित करते समय प्रतिशोध से बचने के लिए किया था।

सुरंग के अंदर फिलहाल कुछ लाइट लगाई गई हैं, ताकि अंधेरा न रहे। वहीं सुरंग कितनी दूर तक जा सकती है इसका भी पता लगाना थोड़ा मुश्किल है। दिल्ली में सीवर लाइन और मेट्रो के कारण यह सुरंग के रास्ते बंद होने की आशंका जताई गई है।

संक्षिप्त समाचार

ओरिएंटबेल ने दिल्ली में अपने नए ओबीटीबी स्टोर विस्तार किया

नई दिल्ली। देश में सबसे अधिक पेशेवर रूप से चलने वाली टाइल ब्रांडों में से एक ओरिएंटबेल टाइल्स ने दिल्ली में अपने नए ओबीटीबी स्टोर का विस्तार किया। दिल्ली के रोहिणी सेरामिक्स प्रा.लिमिटेड में ओरिएंटबेल टाइल्स बुटीक के नवीनतम लॉन्च के साथ ही ब्रांड ग्राहकों के टाइल खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाने के अपने वादे पर खरा उतरा है। रोहिणी सेरामिक्स प्रा.लिमिटेड के साथ ही ओरिएंटबेल टाइल्स बुटीक के अपने बढ़ते नेटवर्क में 2500 चैनल भागीदारों को अपने नेटवर्क में जोड़ता है। यह ओबीटीबी के अनुभव के आधार पर लगभग 3000 वर्ग फुट जगह पर बनाया गया है, जो कि उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों के प्रदर्शन के लिए एक बड़ी रेंज और एक बड़ा क्षेत्र पेश करता है। रोहिणी सेरामिक्स प्रा. लिमिटेड के राजिंदर कुमार जैन ने कहा कि किसने सोचा होगा कि टाइल्स खरीदने और बेचने की प्रक्रिया इतनी आसान हो सकती है। यहां आने वाले ग्राहकों के लिए, ओरिएंटबेल टाइलें बुटीक में उपयोग के आधार पर टाइलों के 3 हजार से अधिक डिजाइनों में से चुनने का मौका मिलेगा।

ट्रांस्टील द्वारा त्यौहारी सीजन में फ्री डिलीवरी

नई दिल्ली। ट्रांस्टील, एसएमई और मिडल-मार्केट कंपनियों पर लक्षित ऑफिस फर्नीचर के लिए भारत के अग्रणी डायरेक्ट टू कंज्यूमर ब्राण्ड्स में से एक, ने पूरे भारत में फ्री डिलीवरी की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत 5 सितम्बर 2021 से होगी। यह पहल पिछले महीने ऑफिस और होम फर्नीचर के तीन से ज्यादा उत्पादों की खरीदी पर घोषित 74 प्रतिशत तक छूट जैसी पेशकशों को जारी रखने के रूप में हुई है। पूरे भारत के बिजनेसेस की विश्व-स्तरीय ऑफिस और होम फर्नीचर तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए, ट्रांस्टील दमदार वर्कस्टेशंस और खूबसूरत, लेकिन लचीले होम फर्नीचर की एक बड़ी रेंज देता है। यह ब्राण्ड अपने दमदार और कॉम्पैक्ट कलेक्शंस और उपभोक्ता-केन्द्रित बिक्री-पश्चात सेवा के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर ट्रांस्टील सीटिंग टेक्नोलॉजीज के मैनेजिंग डायरेक्टर शिराज इब्राहिम ने कहा, त्यौहारों का सीजन आने को है और हम पूरे भारत के बिजनेसेस के लिए इस ऑफर की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। हम बिजनेसेस को एर्गोनॉमिकली डिजाइन किए गए विश्व-स्तरीय ऑफिस फर्नीचर तक सीधी पहुंच देने की कोशिश करते हैं।

शातिर बदमाश समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आपराधिक घटनाओं का शतक लगाने वाले एक शातिर बदमाश समेत तीन आरोपियों को शुक्रवार को यमुनापार से गिरफ्तार किया। उत्तर-पूर्वी जिले के उपायुक्त संजय कुमार सेन ने बताया कि आरोपी नईम उर्फ मुल्ला, सुहैल और यासीन सीलमपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किये गये। नईम और सहैल को पुलिस के एक गश्ती दल ने चौहान बांगर पुलिया के पास गिरफ्तार किया। इनकी निशादेही पर चोरी के मोबाइल खरीदने के आरोप में यासीन पकड़ा गया। जांच के दौरान इनके पास से चोरी के 115 मोबाइल फोनों के अलावा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। नईम मोटरसाइकिल का इस्तेमाल राहगीरों से झपटमारी के लिए करता था। वह उत्तर एवं उत्तर-पूर्वी जिले का शातिर अपराधी है। उन्होंने बताया नईम और सुहैल यमुनापार के न्यू सीलमपुर निवासी है, जबकि यासीन चौहान बांगर का रहने वाला है।

मायापुरी व मंगोलपुरी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों का होगा फिर होगा निर्माण : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली, (विवेक राय)। दिल्ली के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड डीसीआईआईडीसी के बोर्ड की बैठक बुलाई। बैठक में उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि मायापुरी और मंगोलपुरी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। मायापुरी फेज 1 और फेज 2 क्षेत्र में 22 सड़कों में सुधार किया जाना है। केजरीवाल सरकार डीएससीआईआईडीसी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर फंड के जरिए 13 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस एएलएस खरीदेगी। उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने मायापुरी और मंगोलपुरी क्षेत्र की सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। सत्येंद्र जैन ने कहा कि मायापुरी और मंगोलपुरी में क्षतिग्रस्त सड़कों का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण किया जाए। उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र में मायापुरी फेज 1 और फेज 2 में 22 सड़कों में सुधार के साथ-साथ मंगोलपुरी क्षेत्र में सड़कों के सुधार को औद्योगिक मंजूरी दे दी है। सुधार के बाद परिवहन व्यवस्था को ठीक किया जाएगा और इससे औद्योगिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। सत्येंद्र जैन ने डीसीआईआईडीसी द्वारा अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर फंड के माध्यम से एम्बुलेंस की खरीद पर भी चर्चा की। सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार 13 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एएलएस एम्बुलेंस डीसीआईआईडीसी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर फंड के माध्यम से खरीदेगी।

दक्षिणी निगम ने नौ लाख नागरिकों का किया कोविड टीकाकरण : मुकेश

(संवाददाता)

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने कहा कि दक्षिणी निगम ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया है।

निगम टीकाकरण केंद्रों पर अभी तक लगभग 9 लाख नागरिकों का टीकाकरण किया है। उन्होंने बताया कि दक्षिणी निगम द्वारा 52 टीकाकरण केंद्र संचालित किए जा रहे है जहां नागरिक अधिक से अधिक संख्या में आकर टीकाकरण करवा रहे हैं। मुकेश सुर्यान ने कहा कि दक्षिणी निगम का यह लक्ष्य है कि अगले सप्ताह तक यह आंकड़ा 10 लाख तक पहुंच जाए। निगम के सभी केंद्रों पर टीकाकरण को लेकर उचित प्रबंध किए गए है और निगम डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में टीकाकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की जा रही है। महापौर ने कहा कि दक्षिणी निगम कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है।

निगम के अस्पतालों, विभिन्न डिस्पेंसरियों और स्कूलों में कोविड टीकाकरण केंद्र चल रहे है। दक्षिणी निगम लगातार अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रहा है।

उत्तरी निगम ने किया स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। निगम ने 3 वार्डों रुपनगर, जहांगीरपुरी तथा मलिकपुर;मॉडल टाउनद्ध में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य-शिविरों में लगभग 400 मरीजों के रोगों का इलाज किया गया। सभी मरीजो को आवश्यक सलाह और उपचार उपलब्ध कराए गए। आम बीमारियों के अतिरिक्त महिला रोग, बाल रोग, आंखों के रोग तथा दांतों के रोगों का इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में किया गया।

पूर्वी दिल्ली के महापौर ने सड़क का किया नामकरण

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा कांति नगर वार्ड के शांति मोहल्ला मेन रोड का नाम श्याम अग्रवाल प्रधान मार्ग के नाम पर रखा गया। दिवंगत श्याम अग्रवाल शांति मोहल्ला मार्केट के पूर्व प्रधान रहे हैं और क्षेत्र में जनसेवा के प्रति समर्पित रहें है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू उपस्थित थे। उनके अलावा पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष एवं पार्षद संदीप कपूर और काफी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे।

डीयू की प्रवेश परीक्षाओं का खाका तैयार

नई दिल्ली,(संजय कुमार)। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शेड्यूल जारी कर दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वरिष्ठ परीक्षा निदेशक डॉ साधना पराशर के मुताबिक दिल्ली यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 26, 27, 28, 29, 30 सितम्बर और 1 अक्टूबर को भी आयोजित किए जाएंगे। एनटीए ने इन परीक्षाओं के संबंध में एक आधिकारिक नोटिस जारी किया है। एनटीए द्वारा जारी किए गए नोटिस में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षा निदेशक डॉ साधना पराशर ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के पोस्टग्रेजुएट, एमफिल व पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के लिए यह शेड्यूल तैयार किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय की यह प्रवेश परीक्षाएं कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट आधारित मोड पर ली जाएंगी। जो छात्र इन परीक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं वह डीयूईटी 2021 का बुलेटिन चेक कर सकते हैं। यह बुलेटिन

26 सितम्बर से एक अक्टूबर के बीच होंगी डीयू में पीजी व पीएचडी की परीक्षाएं

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दिल्ली विश्वविद्यालय की इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वेबसाइट से ही एडमिट कार्ड भी डाउनलोड कर सकेंगे। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक छात्र यह सभी जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं।

यूजी कोर्सेस में एडमिशन पिछले सालों की तरह कट-ऑफ के जरिए होगा

एकेडमिक ईयर 2021-22 के लिए यूजी कोर्सेस में एडमिशन पिछले सालों की तरह कट-ऑफ के जरिए होगा। इस साल करीब 70,000 अंडर ग्रेजुएट (यूजी) सीटों और 20,000 पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों पर एडमिशन किया जा रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय में नए सत्र के दाखिले 4 अक्टूबर से शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति पीसी जोशी के मुताबिक दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में 1 अक्टूबर को पहली कट ऑफ जारी की जा सकती है। जहां 1 अक्टूबर को पहली कट ऑफ लिस्ट जारी कर दी जाएगी, वहीं 2 और 3 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया 4 अक्टूबर से शुरू होगी।

आईआईटी का अनुसंधान और विकास मेला नवम्बर में : धमेंद्र प्रधान

भारतीय उद्योग में बेहतर समझ और जागरुकता का निर्माण करेगा मेला

(संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में सभी 23 आईआईटी का अनुसंधान एवं विकास मेला नवंबर के दूसरे पखवाड़े में आयोजित होगा। प्रधान ने सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के अनुसंधान एवं विकास मेले के आयोजन के लिए गठित संचालन समिति के साथ शुक्रवार को एक वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी 23 आईआईटी का अनुसंधान एवं विकास मेला, भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू की गई 'आजादी का अमृत महोत्सव' पहल के तत्वावधान में नवंबर के दूसरे पखवाड़े में आयोजित होगा। यह मेला आईआईटी की क्षमताओं एवं उच्च प्रौद्योगिकी संबंधी तत्परता के स्तरों को लेकर भारतीय उद्योग में बेहतर समझ और जागरुकता का निर्माण करेगा। यह अनुसंधान एवं विकास मेला एनईपी में परिकल्पित क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेगा। भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए नवाचारों के विकास पर भारतीय उद्योगों के साथ 23 आईआईटी की सहयोगात्मक पहल से जीवन में आसानी प्राप्त होगी और पूर्व छात्रों और उद्योगों द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों में भविष्य के अनुसंधान में निवेश में वृद्धि होगी। केंद्रीय मंत्री ने ऊर्जा प्रणालियों, संचार उपकरणों, अपशिष्ट प्रबंधन, संरचनात्मक और वास्तुकला में पारंपरिक ज्ञान के एकीकरण, स्थानिक अनुसंधान आदि पर विषयगत सत्रों के लिए लक्ष्य क्षेत्रों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।

सम्मान उत्तरी दिल्ली निगम के 32 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

भारतीय संस्कृति में हमेशा से गुरु का रहा अहम योगदान : तिवारी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष में निगम मुख्यालय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सिविक सेंटर स्थित अरुणा आसफ अली सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लोस सांसद मनोज तिवारी, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, उप महापौर अर्चना, स्थायी समिति के अध्यक्ष जोगी राम जैन, नेता सदन छैल बिहारी गोस्वामी, पार्षद आलोक शर्मा, सदस्य शिक्षा समिति, ममता नागपाल, रघुवंश सिंघल, निदेशक शिक्षा, सत्येंद्र और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

■ शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित परिचायिका का किया गया विमोचन

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर मनोज तिवारी ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के 2 प्रधानाचार्य, 28 शिक्षक सहित 2 नर्सरी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप शिक्षकों प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित परिचायिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर गूगल क्लास नाम से ऑनलाइन टीचिंग मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया गया। सार्ड संस्थान द्वारा निगम के मेंटर शिक्षकों को 10 लैपटॉप और 37 टैबलेट भी दिए गए। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि

भारतीय संस्कृति में हमेशा से गुरु का अहम योगदान रहा है, गुरु को सर्वोपरि माना गया है। बच्चे रबड़ की तरह होते है, शिक्षक उन्हें किसी भी रूप में ढाल सकते है, शिक्षकों में वह दम है कि वे बच्चों में विद्यमान प्रतिभा को किसी भी क्षेत्र में निखार कर उत्कृष्ट बना सकते है। आज छोटे-छोटे शहरों के बच्चे भी हर क्षेत्र में आगे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम के शिक्षकों कि बच्चों के प्रति ज्यादा जिम्मेदारी है, उन्हे हमेशा यह कोशिश करनी चाहिए की बच्चों को उसी क्षेत्र में आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करे जिस में उनकी रूचि है। इस अवसर पर शिक्षा समिति की अध्यक्षा, गरिमा गुप्ता ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम अपने लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति के लिए कटिबद्ध है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्राथमिक विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान हमारे शिक्षकों ने छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा प्रदान की और 9 अप्रैल 2020 से वे छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार ऑनलाइन कक्षाएं प्रदान कर रहे हैं।

अंधेरे को उजाले में बदल सकते हैं शिक्षक : इकबाल सिंह

महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज का स्तम्भ है वो चाहे तो अंधेरे को उजाले में बदल सकते है। उन्होंने कहा कि निगम शिक्षकों द्वारा इस कर्तव्य का निर्वाह बखूबी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज वे जो भी है उस में उनके शिक्षकों का अहम योगदान है। स्थायी समिति के अध्यक्ष, जोगी राम जैन ने शिक्षक दिवस के अवसर पर निगम के सभी शिक्षकों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों का हर बच्चे के जीवन में अहम योगदान होता है। उन्होंने कहा कि निगम का हर शिक्षक, हर बच्चा विशेष प्रतिभा रखता है, हमारे निगम विद्यालय किसी भी निजी विद्यालय से कम नहीं है। प्राथमिक शिक्षा ही बच्चों के शिक्षा की नींव बनाती है जिसमे निगम विद्यालय तत्पर है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे भविष्य में देश का, राज्य का नेतृत्व करेंगे, जो समाज में बदलाव लाएंगे। नेता सदन छैल बिहारी गोस्वामी ने कहा की उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षकों ने जिन विपरीत परिस्थितियों में कार्य किया है और छात्रों का शिक्षा प्रदान की है वो सराहनीय है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षकों ने ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से वो सब कर के दिखाया जो देश में कोई नहीं कर सका। निगम के शिक्षकों ने कोरोना संकट के समय अपनी प्रतिभा के बलबूते सर्वप्रथम ऑनलाईन शिक्षण के माध्यम से निगम विद्यालयों के बच्चों को शिक्षा देने का कार्य किया।

'प्रार्थना' परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है !

ईश्वरीय प्रकाश से आत्मा के प्रकाशित होने से मनुष्य का सारा जीवन प्रकाशित हो जाता है। प्रार्थना का संबंध जीवन से अवश्य होना चाहिए। हमें प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे प्रभु आप मेरी सहायता करें। मेरी इच्छा तेरी इच्छा के अनुकूल हो। हमें प्रार्थना के माध्यम से अपनी इच्छाओं को ईश्वर की इच्छाओं से जोड़ना चाहिए। हमें परमात्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे परमात्मा! हम सदैव आपकी बनायी इस सृष्टि को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। ईश्वर की सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए अपने ज्ञान-विज्ञान तथा अनुभव का उपयोग करेंगे।

परमात्मा द्वारा दिये गये शरीर रूपी यंत्र के माध्यम से हमें ईश्वरीय आज्ञाओं का पालन करना चाहिए। परमात्मा कहते हैं कि तुम्हें जो आँखें दी हैं, वे सुन्दर व ईश्वरीय सपने देखने के लिए दी हैं। इसलिए व्यर्थ की चीजें हम अपनी इन आँखों से न देखें। किसी भी चीज को देखते हुए हमारा भाव ईश्वरीय होना चाहिए। ईश्वर कहता है कि तेरी आँखें मेरा भरोसा है। तू इसको व्यर्थ की इच्छाओं की धूल से गंदा न कर। तेरे कान मेरी पवित्र वाणी को सुनने के लिए हैं। तेरा हृदय मेरे गुणों का खजाना है। तेरे स्वार्थ रुपी हाथ कहीं मेरे खजाने को लूट न लें। तुझे हाथ इसलिए दिये हैं कि इन हाथों में ईश्वर द्वारा दिव्य लोक से भेजी गई पवित्र पुस्तकें गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब व किताबे अकदस आदि हों। तू अपने हाथों से वही कार्य कर जो ईश्वरीय आज्ञाओं तथा इच्छाओं के अनुकूल हों। इसलिए हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं होनी चाहिए बल्कि हमें प्रभु इच्छा को ही अपनी इच्छा बनाते हुए अपने शरीर रूपी यंत्र के माध्यम से प्रभु की आज्ञाओं का पालन करना चाहिए। जो लोग प्रभु की इच्छा तथा आज्ञा को पहचान लेते हैं फिर उन्हें धरती तथा आकाश की कोई शक्ति प्रभु का कार्य करने से रोक नहीं सकती।

'प्रार्थना' परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है:-

इस सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए हमें इस शरीर रुपी यंत्र का सदुपयोग करना चाहिए। इसके

लिए हमारा मन तथा हृदय ईश्वरीय इच्छाओं से लबालब होना चाहिए। प्रार्थना परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रभु वार्तालाप के माध्यम से हमारी आत्मा में प्रकाश आता है। ईश्वरीय प्रकाश से आत्मा के प्रकाशित होने से मनुष्य का सारा जीवन प्रकाशित हो जाता है। प्रार्थना का संबंध जीवन से अवश्य होना चाहिए। हमें प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे प्रभु आप मेरी सहायता करें। मेरी इच्छा तेरी इच्छा के अनुकूल हो। हमें प्रार्थना के माध्यम से अपनी इच्छाओं को ईश्वर की इच्छाओं से जोड़ना चाहिए। हमें परमात्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे परमात्मा! हम सदैव आपकी बनायी इस सृष्टि को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। ईश्वर की सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए अपने ज्ञान-विज्ञान तथा अनुभव का उपयोग करेंगे। इस ईश्वरीय कार्य के लिए ईश्वर की तरफ से देवदूतों की एक के बाद दूसरी, दूसरी के बाद तीसरी और इसी प्रकार तमाम आध्यात्मिक विचारों से परिपूर्ण सेनायें हमारी सहायता के लिये आ जायेगीं।

ईश्वर की सहायता से ही सभी समस्याओं पर विजय संभव:-

परमात्मा जिस समय हमारी सहायता करता है उस समय हमारे मस्तिष्क में जो विचार आते हैं वे विचार हमारे अच्छे के लिए ही होते हैं। वे विचार हमारी भलाई के लिए होते हैं। हम उस समय कितनी भी बड़ी कठिनाई में क्यों न हो परमात्मा हमें सही मार्गदर्शन देकर उन समस्याओं पर हमारी विजय दिला देते हैं। उस समय हमारे मस्तिष्क में ऐसे-ऐसे विचार आने लगते हैं, उन समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे-ऐसे सुझाव आने लगते हैं, जिनके बारे में हमने पहले कभी सोचा तक नहीं होता है। ईश्वर जब हमारी सहायता के लिए आता है तो हमारे सोचने और समझने की शक्ति में गजब का इजाफा हो जाता है। हमारे अंदर से सही काम को करने की शक्ति पैदा हो जाती है। हमारे विचारों में परमात्मा का ज्ञान प्रवाहित होता चला जाता है। यह दिव्य ज्ञान परमात्मा हमें दिव्य लोक से विचारों के माध्यम से भेजते रहते हैं। किसी भी कार्य को करने के पूर्व उसके अन्तिम परिणाम पर सोच लेना समझदारी है।

ईश्वर की भक्ति के बाद हम मानसिक रूप से बहुत अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं:-

ईश्वर, अल्ला, खुदा, गॉड या परमात्मा, जिस भी रूप में हम उसे मानते हैं, उसकी शरण में चले जाने के बाद हमारी आत्मा में इतना बल आ जाता है कि हमारा मन स्थिर हो जाता है और हम बहुत तीव्रता के साथ उन समस्याओं के समाधान के लिए सही दिशा में सोचते चले जाते हैं। उस समय हमारे द्वारा जो भी निर्णय लिया जाता है वह एकदम सही और हमारे हित के लिए होता है। ईश्वर की भक्ति के बाद हम मानसिक रूप से बहुत अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। हमारे द्वारा की गई प्रार्थना के बाद परमपिता परमात्मा हमारे मस्तिष्क में विचारों के माध्यम से जो ज्ञान देता है उन्हीं ज्ञान पर चलकर ही हम अपने जीवन में बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करते जायेंगे। इसलिए हमें मन ही मन में परमात्मा को याद करना चाहिए। उनकी प्रार्थना, उनका मनन तथा उनका चिंतन करना चाहिए और अपने लिए मार्गदर्शन मांगना चाहिए। प्रार्थना के माध्यम से हमें परमात्मा से जुड़ना चाहिए। फिर परमात्मा हमें अपना जो मार्गदर्शन दें उस पर चलते हुए हमें सारी मानवता की भलाई के लिए काम करना चाहिए। ऐसा करने से परमात्मा हमसे खुश होगे और हम उसकी सहायता से अपने जीवन में नित्य नई-नई बुलंदियों को छूते चले जायेंगे। हरि मेरे घर को यह वर दो, मात-पिता की सेवा हो, भाई-बहिन में निश्चल प्रेम हो, अतिथि मित्र का सदा सत्कार हो। घर ही मेरे लिए तीर्थ हो। पारिवारिक एकता ही विश्व एकता तथा वसुधैव कुटुम्बकम्की आधारशिला है।

संपादकीय

महंगाई की मार

देश की तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 25 रुपए का इजाफा किया है। वहीं 19 किलोग्राम कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 75 रुपए का इजाफा हुआ है। इस वक्त महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। उस पर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब लगभग पूरे देश में पेट्रोल की कीमत सौ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। डीजल भी उसी के नक्शे-कदम पर चल रहा है। कुछ दिनों पहले ही रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी की गई थी। अभी प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी और पाइप के जरिए घरों में पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की दरों में भी इजाफा कर दिया गया है। स्वाभाविक ही, इसका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कोरोना काल में बाजार, कारोबार, उद्योग-धंधे बंद होने की वजह से लाखों लोगों के रोजगार छिन चुके हैं, लाखों लोगों की वेतन वाली नौकरियां जा चुकी हैं, निजी संस्थानों में कर्मचरियों के वेतन में भारी कटौती की गई है, जो फेरी लगाने, मिस्त्रीगीरी, इधर से उधर सामान पहुंचाने वगैरह का काम किया करते थे, उनके धंधे में भारी गिरावट आई है। ऐसे में देश के हर वर्ग के सामने अपने दैनिक खर्च में संतुलन बिठाना मुश्किल हो रहा है। तिस पर पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस आदि की ऊपर चढ़ती कीमतें उनकी चुनौतियां और बढ़ा रही हैं। ईंधन की कीमतें बढने से रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली दूसरी वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ती हैं। उनकी उत्पादन लागत, ढुलाई आदि पर खर्च बढ़ जाता है, जिसे अंतिम रूप से आम उपभोक्ता को ही वहन करना पड़ता है। लोगों की कमाई लगातार घटती गई है और उनके रोज के यातायात और खाने-पीने पर खर्च बढ़ गए हैं। इसके अलावा बच्चों के स्कूल की फीस, उनकी पढ़ाई-लिखाई से जुड़े दूसरे खर्चों को संभालना मुश्किल है। स्थिति यह है कि इस वक्त महंगाई अपने चरम पर है। उसे काबू में करने के तमाम प्रयास विफल हो चुके हैं। अर्थव्यवस्था को मजबूती और टिकाऊपन तभी मिल पाएगा, जब लोगों की क्रयशक्ति बढ़ेगी और वह तब संभव होगा, जब रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अभी स्थिति यह है कि वित्तीय कमजोरी की वजह से तमाम संस्थानों ने अपने यहां नई भर्तियों पर रोक लगा रखी है। लोगों की आय बंद या फिर कम हो गई है, इसलिए वे जरूरी खर्चों के मामले में भी मुट्ठी भींच कर चल रहे हैं। ऐसे में नए रोजगार के रास्ते संकुचित हो गए हैं। नए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बड़े पूंजीपति घरानों के बरक्स लघु, सूक्ष्म और मंझोले उद्योगों को मजबूती से खड़ा करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा महंगाई रोकने के उपायों पर गंभीरता से अमल करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि रिजर्व बैंक की समावेशिता की नीति इस दिशा में कुछ सकारात्मक परिणाम दे सकेगी। बाजार में तेजी ला पाना बड़ी चुनौती रहेगी। मगर वह वित्तीय संतुलन और समावेशिता के अपने इरादे में कुछ हद तक सफल हो पाता है, तो बड़े और छोटे उद्योगों के बीच बढ़ रही खाई को पाटने में अवश्य कुछ कामयाबी मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने एक बार फिर दोहराया है कि चालू वित्तवर्ष में विकास दर साढ़े दस फीसद रह सकती है। अप्रैल की अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा के वक्त ही उसने यह अनुमान घोषित कर दिया था। कोरोना काल में अर्थव्यवस्था का रुख लगातार नीचे की तरफ बना रहा। उसके पहले भी चार-पांच तिमाहियों से अर्थिक विकास दर लगातार घट रही थी। इस वक्त महंगाई चरम पर है, पेट्रोल-डीजल की कीमतें काबू में नहीं आ पा रही हैं, लाखों लोगों के रोजगार छिन गए हैं, जिनके पास रोजगार हैं भी, उनकी आय घट गई है और नौकरीशुदा लोगों के वेतन में कटौती की गई है। बहुत सारे लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योग या तो बंद हो चुके हैं या बंद होने की कगार पर हैं। हालांकि सरकार ने उन्हें नए सिरे से कर्ज लेकर अपनी स्थिति सुधारने का अवसर उपलब्ध कराया, पर उसका कोई उल्लेखनीय नतीजा नजर नहीं आ रहा। ब्याज दरों के न्यूनतम स्तर पर रखे जाने के बावजूद बाजार में गति नहीं आ पा रही।

टोक्यो पैरालिंपिक में झाझड़िया ने रचा इतिहास

भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनो देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तक मिलता है। जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं। मई 2007 में विवाह सूत्र में बंधे देवेंद्र की जीवन-संगिनी मंजू भी कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। साधारण परिवेश और अभावों की बहुलता से अपने हौसले के दम पर संघर्ष कर इतिहास रचने वाले राजस्थान के नूर और युवा पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत देवेंद्र झाझडिया भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड भी दिया जा चुका है। देवेंद्र ने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि इससे समाज के तमाम नि:शक्तों का हौसला बढेगा और नि:शक्तों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव आएगा।

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के देवेंद्र झाझड़िया ने पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) - एफ46 में सिल्वर मेडल जीत कर भारत का नाम रोशन किया है। सोमवार को टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 64.35 मीटर भाला फेंककर चांदी का तमगा अपने नाम किया है। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 64.01 मीटर भाला फेंका। ये दोनो ही खिलाड़ी राजस्थान के है।

झाझड़िया ने शुरूआत में सिर्फ 60 मीटर भाला फेंका। इसके बाद उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 64.35 मीटर भाला फेंका। इसके साथ ही भारत की पदक की उम्मीद जिंदा हो गई। चौथे और पांचवें थ्रो में भारतीय पैरा-एथीलट का थ्रो फाउल रहा। उनका आखिरी थ्रो 61.23 मीटर का रहा। सुंदर ने भी धीमी शुरूआत की लेकिन अपने पांचवें प्रयास में 64 मीटर को पार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देवेन्द्र झाझड़िया व सुन्दर गुर्जर को उनके पदक जीतने पर बधाई दी है।

जैसे ही देवेन्द्र के रजत पदक व सुन्दर गुर्जर के कांस्य पदक जीतने की सूचना मिली तो हर ओर बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। देवेंद्र झाझड़िया ने टोक्यो पैरालंपिक में 64.35 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए सिल्वर पदक जीता है। इसी के साथ ही देवेंद्र झाझड़िया के पास अब पैरालंपिक में पदकों की संख्या तीन हो गई है।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की और से देवेन्द्र झाझडिया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरा ओलंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझडिया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने फ्रांस के लियोन में सम्पन्न हुयी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो में 57.04 मीटर दूरी तक थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लगातार भारत की तरफ से पदक जीतने वाले देवेन्द्र एकमात्र खिलाड़ी है।

आठ साल की उम्र में बिजली के करंट का शिकार होकर अपना एक हाथ गंवा देने वाले देवेंद्र झाझडिया के लिए यह हादसा कोई कम नहीं था। दूसरा कोई होता तो दुनिया की दया, सहानुभूति तथा किसी सहायता के इंतजार और उपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी के दिन काटता लेकिन हादसे के बाद एक लंबा वक्त बिस्तर पर गुजारने के बाद जब देवेंद्र उठा तो उसके मन में एक और ही संकल्प था और उसके बचे हुए दूसरे हाथ में उस संकल्प की शक्ति देखने लायक थी। देवेंद्र ने अपनी लाचारी और मजबूरी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। कुदरत के इस अन्याय को ही अपना सम्बल मानकर हाथ में भाला थाम लिया और एथेंस पैराओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर वो करिश्मा कर दिखाया जिसका ख्वाब हर कोई देखता है।

दराजस्थान में चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के छोटे से गांव जयपुरिया की ढाणी में एक साधारण किसान रामसिंह के घर 10 जून 1981 को जन्मे देवेंद्र किसी परिचय के मोहताज नहीं। सुविधाहीन परिवेश और विपरीत परिस्थितियों को देवेंद्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा स्वीकार नहीं किया। गांव के जोहड़ में देवेंद्र ने लकड़ी का भाला बनाकर खुद ही अभ्यास शुरू कर दिया। कॉलेज में पढ़ते वक्त बंगलौर में राष्ट्रीय खेलों में जैवलिन थ्रो और शॉट पुट में पदक जीतने के बाद तो देवेंद्र ने कभी पीछे मुडकर नहीं देखा। 1999 में राष्ट्रीय स्तर पर जैवलिन थ्रो में सामान्य वर्ग के साथ कड़े मुकाबले के बावजूद स्वर्ण पदक जीतना देवेंद्र के लिए बड़ी उपलब्धि थी।

देवेंद्र के ओलंपिक स्वप्न की शुरूआत हुई 2002 के बुसान (दक्षिण कोरिया) एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने के साथ। इसके बाद 2003 के ब्रिटिश ओपन खेलों में देवेंद्र ने जैवलिन थ्रो, शॉट पुट और ट्रिपल जम्प तीनों स्पधाओं में सोने के पदक अपनी झोली में डाले। देश के खेल इतिहास में देवेंद्र का नाम उस दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा गया जब उन्होंने 2004 के एथेंस ग्रीस पैरा ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 2006 में मलेशिया के कुआलालमपुर में आयोजित फेसपिक गेम्स में उन्होने स्वर्ण पदक जीता। 2007 के वर्ल्ड गेम्स में रजत पदक व 2009 के वर्ल्ड गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। देवेंद्र झाझडिया ने दुबई में संपन्न छठी फैजा इंटरनेशनल चैंपियनशिप की भाला जैवेलियन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

देवेंद्र की कामियाबियों पर उन्हें 3 दिसम्बर 2004 को राष्ट्रपति ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया था। 2004 में महाराणा प्रताप राज्य खेल पुरस्कार मिला। 29 अगस्त 2005 में अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए। 2005 में पीसीआई उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार मिला। 2014 में पद्मश्री और पैरा स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड मिला। 2016 में जीक्यू मैगजीन ने बेस्ट प्लेयर के अवार्ड से नवाजे गये। 29 अगस्त 2017 को खेलों में देश का सबसे बड़ा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड मिला।

भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनो देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तक मिलता है। जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं। मई 2007 में विवाह सूत्र में बंधे देवेंद्र की जीवन-संगिनी मंजू भी कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। साधारण परिवेश और अभावों की बहुलता से अपने हौसले के दम पर संघर्ष कर इतिहास रचने वाले राजस्थान के नूर और युवा पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत देवेंद्र झाझडिया भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड भी दिया जा चुका है। देवेंद्र ने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि इससे समाज के तमाम नि:शक्तों का हौसला बढेगा और नि:शक्तों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव आएगा।

कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऑनलाइन बातचीत में देवेंद्र झाझड़िया ने कहा था कि जब मेरी स्पर्धा भालाफेंक को पैरालंपिक 2008 में शामिल नहीं किया गया था। उस वक्त मैंने सोचा था कि ठीक है यह 2012 में शामिल हो जायेगा। लेकिन जब 2012 में यह फिर शामिल नहीं हुआ तो मैंने सोचा कि मैं खेल छोड़ दूं। तब मेरी पत्नी मंजू ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और मैं 2016 तक खेल सकता हूं। इसलिए मैंने अपनी योजना बदल दी। 2013 में मुझे पता चला कि भालाफेंक स्पर्धा को रियो पैरालंपिक में शामिल किया गया है। फिर मैंने गांधीनगर के भारतीय खेल प्राधिकरण केन्द्र में अभ्यास शुरू किया और 2016 रियो में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता था।

देवेन्द्र झाझडिया का मानना है कि ग्रामीण इलाकों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं मगर वे प्रतिभायें सुविधाओं के अभाव में आगे नही आ पाती हैं। खिलाडियों के लिये आधुनिक सुविधायुक्त मैदानों की कमी व अच्छे कोच भी नहीं हैं। उनका मानना है कि राजस्थान सरकार को हरियाणा की तरह खिलाडियों को प्रोत्साहित करना चाहिये तथा गुजरात की तर्ज पर खेल महाकुंभ का आयोजन करना चाहिये ताकि प्रतिभाशाली खिलाडियों को आगे आने का मौका मिल सकें।

प्रवीण कुमार सिंह

पैरालम्पिक टेबल टेनिस में पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं भाविना

भारत की नारी शक्ति विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के अलावा अब खेलों में भी लगातार इतिहास रच रही है और देश की आधी आबादी को अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पूरी हिम्मत और हौंसला प्रदान कर रही है। पिछले दिनों टोक्यो ओलम्पिक में भारत की महिला हॉकी टीम भले ही पदक जीतने में सफल नहीं हो सकी थी किन्तु सभी महिला खिलाड़ियों ने जिस बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया था, उससे समूचा राष्ट्र उनका मुरीद हो गया। ओलम्पिक में मीराबाई चानू, पीवी सिंधु तथा लवलीना बोरगोहेन ने तो पदक जीतकर खेलों की दुनिया में नारी शक्ति की बढ़ती ताकत का स्पष्ट अहसास कराया ही था। महिला खिलाड़ी ओलम्पिक के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में भी शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और अब 29 अगस्त को गुजरात के एक गांव में छोटी सी परचून की दुकान चलाने वाले हंसमुखभाई पटेल की 34 वर्षीया बेटी भाविना बेन पटेल ने टोक्यो पैरालम्पिक में भारत के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली भाविना दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले पांच साल पूर्व रियो पैरालम्पिक में भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) की मौजूदा अध्यक्ष दीपा मलिक गोला फैंक में रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थी।

गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर के एक छोटे से गांव में 6 नवम्बर 1986 को जन्मी भाविना की यह जीत भारत की नारी शक्ति के लिए इसलिए भी प्रेरणादायी है क्योंकि जिस भाविना को शुरू से ही पदक का दावेदार ही नहीं माना जा रहा था, उसने अपने हौंसले और जज्बे की बदौलत अपने पहले ही पैरालम्पिक में रजत जीतकर इतिहास रच डाला। हालांकि पैरालम्पिक की टेबल टेनिस क्लास 4 स्पर्धा के महिला एकल फाइनल मुकाबले में भाविना दुनिया की नंबर वन मानी जाने वाली बीजिंग तथा लंदन में स्वर्ण पदक सहित पैरालम्पिक में पांच पदक जीतने वाली और विश्व चैम्पियनशिप की छह बार की पदक विजेता चीन की झाउ यिंग से हार गई लेकिन भाविना भारत की ओर से टेबल टेनिस में पैरालम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं और पैरालम्पिक के इतिहास में टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली भी पहली भारतीय हैं। उल्लेखनीय है कि क्लास 4 वर्ग के खिलाड़ियों के शरीर में विकार मेरूदंड में चोट के कारण होता है और उनका बैठने का संतुलन सही रहता है तथा उनकी बांह और हाथ पूरी तरह से काम करते हैं।

विश्व रैंकिंग में 12वें नंबर की खिलाड़ी भाविना का सफर टोक्यो पैरालम्पिक में बहुत शानदार रहा, जो शुरूआत से ही दिग्गज मानी जाने वाली खिलाड़ियों को भी पछाड़ते हुए आगे बढ़ती रही। भाविना ने प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की 8वें नंबर की खिलाड़ी को, क्वार्टर फाइनल में रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता और विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी बोरिस्लावा पेरिच रांकोविच को तथा सेमीफाइनल में चीन की स्टार खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में नंबर तीन मियाओ झांग को हराते हुए भारत के लिए रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक में इतिहास रचा है। भाविका जब करीब एक वर्ष की ही थी, तभी वह पोलियो से ग्रस्त हो गई थी लेकिन परिवार के पास भाविना का अच्छा इलाज कराने के लिए पैसे नहीं थे। हालांकि जैसे-तैसे करके भाविना के पिता ने कुछ समय बीत जाने के बाद विशाखापट्टनम में उनकी सर्जरी कराई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तथा सर्जरी के बाद की जाने वाली एक्सरसाइज में लापरवाही बरतने के कारण भाविना सदा के लिए दिव्यांग बन गई और हमेशा के लिए उन्हें व्हीलचेयर को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना पड़ा लेकिन भाविना ने व्हील चेयर को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने गांव में ही 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद पत्राचार से स्नातक की डिग्री भी हासिल की। भाविना ने करीब 13 वर्ष पहले अहमदाबाद के वस्त्रापुर इलाके में नेत्रहीन संघ में खेलना शुरू किया था, जहां वह दिव्यांगों के लिए आईटीआई की छात्रा थी। वहां उन्होंने दृष्टिदोष वाले बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा तो इसी खेल को अपनाने का निर्णय ले लिया और उसके बाद अहमदाबाद में रोटरी क्लब के लिए पहला पदक जीता। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी डांवाडोल थी, इसलिए भाविना को अपना खर्चा चलाने के लिए एक अस्पताल में नौकरी भी करनी पड़ी। 2011 में पीटीटी थाईलैंड टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारत के लिए रजत पदक जीतकर वह दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी बनी और अक्तूबर 2013 में भाविका ने बीजिंग में आईटीटीएफ पैरा टेबल टेनिस (पीटीटी) एशियाई क्षेत्रीय चैम्पियनशिप के महिला एकल वर्ग में भी रजत पदक जीता। आईटीटीएफ पीटीटी एशियाई क्षेत्रीय चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थी। गुजरात के लिए जूनियर क्रिकेट खेल चुके निकुल पटेल से उनका विवाह हुआ, जो भाविना के दिव्यांग होने के बावजूद उसके बुलंद हौंसलों से अत्यधिक प्रभावित थे।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राजधानी में तीन दिन बाद छाएंगे बरसने वाले बादल

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में मौसम का मिजाज में कभी नरमी तो कभी तल्खी दिख रही है। मानसून के कमजोर होने से वर्षा की राजधानी सहित प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां कम हो गई हैं लेकिन थमी नहीं हैं। सुबह के समय आसमान साफ रहने के साथ ही चटक धूप की वजह से दिन में गर्मी और उमस परेशान कर रही है। वहीं सीबी (क्यूम्यूलोनिम्बस) क्लाउड बनने से मौसम के मिजाज कुछ पल में ही बदल रहे हैं और बादल ऐसे गरजने लगते हैं, मानो खूब बरसेंगे लेकिन कहीं-कहीं हल्की बौछारों के बाद मौसम साफ हो जाता है। मौसम के इस दोहरे मिजाज की वजह से उमस सता रही है।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अरब सागर से मिल रही नमी के चलते वातावरण में नमी व्यापत है। वहीं प्रभावी सिस्टम सक्रिय ना होने के कारण धूप निकल रही है। हीटिंग होने से वातावरण में मौजूद नमी के कारण रेडिएशन होता है। जिससे गरज चमक वाले बादल सीबी क्लाउड बनते हैं और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ती हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इस तरह की स्थिति अभी तीन दिन बनी रहने की संभावना है। उधर छह सितंबर को बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने जा रहा है। इसके प्रभाव से राजधानी समेत प्रदेश के अधिकांश जिलों में झमाझम बारिश का दौर शुरू होने के आसार हैं।

क्यों गरज रहे हैं बादल: मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में किसी सक्रिय सिस्टम के ना होने प्रदेश में तेज बारिश का दौर थम गया है। सीबी क्लाउड(आम भाषा में गोभी जैसे दिखने वाले बादल) छाने से कहीं-कहीं रिमझिम बारिश हो रही है, लेकिन ज्यादा पानी नहीं गिरने से वर्षा का कोटा माइन्स में चल रहा है। हालांकि वर्तमान में अरब सागर से लगातार आ रही नमी और मानसून ट्रफके शिवपुरी, सीधी से होकर गुजरने के कारण प्रदेश में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का सिलसिला जारी है। लेकिन वर्षा का कोटा पूरा होने के लिए झमाझम बारिश की दरकार है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इस तरह की स्थिति 5 सितंबर तक बनी रहने की संभावना है। उसके बाद 5 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बनने जा रहे एक कम दबाव का क्षेत्र के प्रभाव से भोपाल समेत प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश होगी। 7 और 8 सितंबर को कई इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना है।

सामान्य से 138.3 मिमी कम हुई है वर्षा

शहर में सीजन में एक ही बार भारी वर्षा हुई है। जून में अच्छी बारिश हुई लेकिन जुलाई और अगस्त अपना कोटा पूरा नहीं कर पाए। जुलाई के अंत में बारिश का दौर शुरू हुआ जो लंबा चला, अगस्त में भी बारिश हुई लेकिन इस दौरान तेज बारिश नहीं हुई। जिससे वर्षा का कोटा पूरा नहीं हो सका है। भोपाल में मानसून सीजन में अब तक 754.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। यह सामान्य से 138.3 मिमी कम है।

पारा सामान्य से अधिक

शुक्रवार को सुबह आढ़े आठ से शाम साढ़े पांच बजे तक भोपाल में मात्र 0.5 मिमी वर्षा हुई। मौसम साफ रहने से पारे में क्रमशः बढ़ोत्तरी हो रही है। दिन का पारा सामान्य से दो डिग्री और रात का पारा सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम 23.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। वातावरण में सुबह करीब 85 फीसदी, जबकि शाम को करीब 75 फीसदी के आसपास आद्रता रही।

एडीजी के बंगले में घुसकर की सुरक्षा में तैनात जवान की पिटाई

भोपाल। चार इमली स्थित उपांत कॉलोनी में रहने वाले एडीजी बीबी शर्मा के बंगले में घुसकर आरक्षक ने ड्यूटी पर तैनात एसएएफ के साथ मारपीट कर दी। वारदात में आरोपी के साथी भी शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरक्षक ने साथियों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

हबीबगंज पुलिस के मुताबिक एडीजी बीबी शर्मा डी-15 उपांत कॉलोनी में रहते हैं। उनके बंगले पर एसएएफ प्रधान आरक्षक हरिनाथ राम प्रधान सुरक्षा में तैनात हैं। 1 सितंबर को वह ड्यूटी पर मौजूद था। तभी सातवीं बटालियन में तैनात आरक्षक राजकुमार तिवारी अपने दोस्त के साथ एडीजी के बंगले पर पहुंचा। जहां पैसे के लेन-देन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान दोनों आरोपियों ने प्रधान आरक्षक के साथ जमकर मारपीट की और भाग गए। दूसरे दिन भी आरोपियों ने रास्ता रोकर उसे धमकाया। इसके बाद प्रधान आरक्षक ने थाना पुलिस को लिखित में शिकायत कर दी। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों पर एफ आईआर दर्ज कर ली। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। बताया जाता है कि आरोपियों को फरियादी पुलिसकर्मी से उधारी की रकम वापस लेना है, जिसे वह देने से इंकार कर रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ईसाई युवक ने धर्म छिपाकर हिंदू लड़की को प्रेम जाल में फांसा, शादी की

धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश के तहत मामला दर्ज

भोपाल (एजेंसी)। ईसाई युवक ने अपना धर्म छिपाते हुए हिन्दू लड़की को प्रेम के जाल में फंसा लिया। लड़की जब गर्भवती हो गई तो उसने शादी करने के लिए दबाव डाला, इसी दौरान युवक ने उसके ईसाई धर्म के होने की बात बताई। युवक ने आर्य समाज मंदिर में शादी तो कर ली लेकिन बाद में वह महिला पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डालने लगा। महिला ने धर्म परिवर्तन करने के बजाए थाने में मामले की शिकायत कर दी। पुलिस ने मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के गर्भवती होते ही आर्य समाज मंदिर में की शादी, बना रहा धर्म परिवर्तन करने का दबाव

कोहेफिजा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय महिला वर्तमान में कलेक्ट्रेट कार्यालय के पीछे बस्ती में रहती है। करीब एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए उसकी पहचान संजय नाम के युवक से हुई थी। संजय ने अपना पूरा नाम संजय सिंह बताया था। सोशल मीडिया पर चैटिंग के बाद कुछ ही दिनों में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। नजदीकी संबंध बनते ही संजय ने युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए।

वह कई महीनों तक उसके साथ ज्यादती तो करता रहा लेकिन शादी नहीं की। तबियत बिगड़ने पर युवती जब डॉक्टर को दिखाने गई तो पता चला कि वह गर्भवती है तथा उसके पेट में सात महीने का गर्भ है। इसके बाद युवती ने संजय पर शादी करने के लिए दबाव डाला। शादी से टालमटोली करते हुए संजय ने बताया कि असल में वह हिन्दू नहीं बल्कि ईसाई है तथा उसका असली नाम संजय मसीह है। इसके बाद भी जब युवती शादी की बात पर अड़ी रही तो संजय ने आर्य समाज मंदिर में युवती से शादी कर ली। इस शादी में भी संजय के जो रिश्तेदार आए थे वे सभी ईसाई थे। शादी के बाद उसने महिला पर धर्म परिजर्तन के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया।

संजय मसीह की बहन सोनल मसीह ने भी युवती को समझाने की कोशिश की कि अगर वह अपनी गृहस्थी अच्छी तरह से चलाना चाहती है तो ईसाई धर्म स्वीकार कर ले। इसी दौरान महिला ने एक लड़के को जन्म दिया। संजय ने महिला से कहा कि इस लड़के को मुझे दे दो, मैं इसे ईशु की राह पर चलने की शिक्षा दूंगा। युवती की शादी उसके घर वालों मर्जी के बगैर हुई थी, इसलिए उन्होंने अपनी बेटी को छोड़ दिया था। इधर जब संजय धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने लगा तो पीड़िता धर्म परिवर्तन करने के बजाए थाने में मामले की शिकायत कर दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर संजय सिंह व सोनल सिंह के खिलाफ 3/5 मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अध्यादेश 2020 की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बहन ने दिया भाई के षड्यंत्र में साथ

जांच में सामने आया कि संजय का साथ उसकी बहन सोनल भी देती रही है। सोनल भी युवती पर धर्म परिवर्तन के दबाव बना रही थी। उसने ही धर्म परिवर्तन नहीं करने पर घर नहीं आने के लिए धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उनका सुराग नहीं लगा। घटना सामने आने के बाद से वह फरार हैं।

शिक्षक पुरस्कार पर बवाल, टीचर बोले पूरा सिस्टम हो रहा बदहाल

शिक्षकों ने कहा चयन प्रक्रिया की होना चाहिए निष्पक्ष तरीके से जांच

आरोप है कि गलत चयन प्रक्रिया से सरकार की छवि खराब कर रहे अफसर

भोपाल (एजेंसी)।

एक बार फिर राज्य स्तरीय शिक्षक चयन प्रक्रिया पर प्रदेश के टीचरों ने सवाल उठाये हैं। आरोप लगाया गया है कि प्रतिवर्ष अधिकारी पारदर्शिता के मापदंडों को दरकिनार कर पुरस्कारों के लिए शिक्षकों का चयन कर रहे हैं। यह एक प्रकार से सरकार की छवि को धूमिल करने का षड़यंत्र हैं।

विभाग के मापदंडों और नियमों के अनुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन में मात्र 29 जिलों के शिक्षक ही पुरस्कार के लिए चयनित हो पाए हैं। भोपाल से चूनाभट्टी स्कूल में बंदना पांडेय का नाम राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है। राजगढ़ से सर्वाधिक तीन शिक्षकों का चयन हुआ तो शिक्षक पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसा कैसे हो गया। सरकार समर्थित राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एवं शिक्षक मुरारीलाल सोनी ने सीधा आरोप लगाया है कि पुरस्कारों का गलत चयन करके अधिकारी मुख्यमंत्री और सरकार की छवि को धूमिल करने का षड़यंत्र कर रहे हैं। इस मामले को उच्च स्तरीय जांच फोरम तक लाया जाएगा। सोनी ने आरोप लगाया कि गलत चयन प्रक्रिया से प्रदेश के वह शिक्षक कुंठित हो रहे हैं, जो बच्चों का भविष्य और विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए अपना तन, मन और यहां तक कि धन न्यौछावर कर रहे हैं।

एक दिन पहले की गई थी चयन सूची जारी

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक केके द्विवेदी द्वारा जारी चयन सूची के अनुसार गौरीशंकर पटले, बालाघाट, अनिल प्रबोध मिश्रा बड़वानी, ममता गोहल बैतूल, मोहम्मत शकील भिंड, बंदना पांडेय भोपाल, सचिन कुमार द्विवेदी छतरपुर, भावना शर्मा छिंदवाड़ा, अजय कुमार सिंघई दइमोह, महेश कुमार सोनी देवास, बाल कृष्ण शुक्ला धार, प्रशांत साहू डिंडोरी, सारिका जैन गुना, मुकेश कुमार मालवीय होशंगाबाद, पूजा सक्सेना इंदौर, अखिलेश उपाध्याय मंडला, पंकज कुमार गुप्ता मंदसौर, उमेश कुमार तिवारी मुरैना, सनील कुमार शर्मा नरसिंहपुर, निर्मल राठौर नीमच, बबीता मिश्रा राजगढ़, सीमा अग्निहोत्री रतलाम, संजय सक्सेना सीहोर, अविनाश पाठक सिवनी, निधि शुक्ला शहडोल, आशीष जोशी शाजापुर, साफी मोहम्मद टीकमगढ़, चित्ररेखा जैन उज्जैन, मनमोहन विश्वकर्मा राजगढ़, रमाकांत पांडेय राजगढ़ का चयन किया गया है।

राजगढ़ जिला के चयन पर उठाए गए सवाल

इधर बताना होगा कि प्रत्येक जिले से एक शिक्षक का पुरस्कार के लिए चयन करना आवश्यक है। इस प्रकार के नियम और निर्देश भी तत्कालीन शिक्षा मंडल कुंवर विजय शाह के कार्यकाल में बनाये गये थे। पिछले साल जहां सभी जिलों से शिक्षकों का चयन नहीं हो पाया। वहीं इस बार भी इसी प्रकार के हालात निर्मित हो गये हैं। राजगढ़ से तीन शिक्षकों का चयन हुआ तो टीचरों के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हुआ है।

शिक्षक नेता उपेन्द्र कौशल का कहना है कि कई जिलों से एक भी शिक्षक चयनित नहीं हुआ। अब राजगढ़ से जिन तीन शिक्षकों का चयन हुआ है। उस प्रक्रिया की जांच होना आवश्यक है।

ग्रेजुएट युवकों ने दिया वारदात को अंजाम, मिसरोद पुलिस ने किया लूट का खुलासा

बीएमडब्ल्यू की रिपेयरिंग कराने लूटी थी ओला कैब, खोलकर बेचने की थी प्लानिंग

भोपाल (एजेंसी)। मिसरोद पुलिस ने बीते 29 अगस्त को गन पाइंट पर ओला कैब और मोबाइल लूटने के मामले का खुलासा कर दिया है। मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। मुख्य लुटेरे ने पुलिस को बताया कि उसके पास बीएमडब्ल्यू कार है। जिसमें रिपेयरिंग कार्य कराना था। इसके लिए डेढ़ लाख रुपए का खर्च आ रहा था, रकम नहीं होने के हालत में उन्होंने कार लूट का मंसूबा बनाया और कार को तोड़कर बेचने के बाद बीएमडब्ल्यू को रिपेयर कराया जाना था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि घटना के लिए एयर पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था। उक्त पिस्टल उन्होंने इंदौर के रहने वाले कमल नाम के दोस्त से ली थी। जो फिलहाल बरामद नहीं हो सकी है। पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर लिया है। लूटी गई चार लाख रुपए कीमत की कार और मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है।

यह था मामला...

डीआइजी बंगला गौतमनगर का रहने वाले शाहरुख खान (23) कैब लेकर आइएसबीटी के बाहर खड़ा था। उसके पास एक युवक आया और 11 मिल तक पांच सौ रूपये में किराये पर कैब लेकर गया था। 11 मिल पर ब्रिज के पास पहुंचकर पीछे से उसका साथी बाइक से आया और कैब चालक से विवाद करने के बाद उसकी कार से चाबी निकाल ली थी। बाद में कट्टा दिखाकर बाइक सवार और पहले से सवारी बनकर बैठे बदमाश कार लेकर फरार हो गए थे। बाद में पुलिस को कार के कागज और बाइक लावारिस हालत में मिले थे। पुलिस ने मामले में लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सबसे पहले पुलिस ने उस बाइक के बारे में जानकारी जुटाई, जिसका इस्तेमाल लूट में किया गया था। पुलिस को पता चला था कि बाइक आईएसबीटी से चोरी की गई है। उसके मालिक के बारे में पता किया तो उसकी पहचान कृष्णा हाइट्स त्रिलंगा निवासी 25 साल के विवेक पाठक के रूप में हुई। जब पुलिस ने उससे संपर्क किया तो उसने कहा कि वह इंदौर में प्रिंटिंग का सामान लेने आया है। इस पर पुलिस ने उसे भोपाल आने के लिए बोला था। उसने कहा कि वह तीन दिन बाद आएगा। तीन बाद जब विवेक भोपाल आया तो उसने गोविंदपुरा थाने में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस दौरान राजेश सिंह भदौरिया ने उसके बयान लेने के लिए टीम को कहा। जब विवेक के बयान दर्ज कर उससे मिनट-मिनट का हिसाब मांगा गया तो उसने कई गलत जानकारियां पुलिस दी। जिसमें वह फंस गया था। उसने अपने आठ घंटे मोबाइल बंद रखने का कारण तक पुलिस को नहीं बता पाया। इधर, पुलिस की टीम को इंदौर में कार का सीसीटीवी मिला तो पुलिस को विवेक पर शक पक्क हो गया। जब पुलिस ने उसके मोबाइल लोकेशन ट्रेस की और उससे पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने पूरा अपने साथी रोशन खातरकर के बारे में सब कुछ बता दिया। इधर, एक टीम सीसीटीवी की मदद से मुख्य आरोपित तक पहुंच गई थी।

212 सीसीटीवी देखकर पुलिस पहुंची आरोपियों तक

वारदात के बाद डीआइजी इरशाद वली ने एएसपी राजेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में सात टीमों का गठन किया था। पुलिस ने एक-एक साक्ष्य जमा करना शुरू किए थे, पुलिस ने आईएसबीटी से सीसीटीवी देखना शुरू किए और उसके बाद भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, होशंगाबाद, बैतूल, हरदा , नेमावर, खातेगांव, कन्नौद , चापड़ा और इंदौर के खंडवा नाके तक के 212 सीसीटीवी खंगालते हुए इंदौर मुख्य आरोपी रोशन खातरकर (21) के 146/03 न्यू दुर्गानगर बाणगंगा इंदौर निवासी के घर तक पहुंच गए थे। जहां घर के पीछे ही कार को कवर से कार को छिपाकर रखा था। कार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। एएसपी राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपी विवेक मूलतः सीधी जिले का रहने वाला है। वह प्रिंटिंग चलाता है। इसके अलावा रोशन खातरकर के पिता नहीं है। उसके परिवार में मां और बहन है। वह इंदौर का निवासी है, भोपाल में दो साल पहले अपनी मौसी के घर मीनाल रेसीडेंसी में रहने आया था। इस दौरान पान की गुमठी पर उसकी विवेक से पहचान हो गई थी। बाद में दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। दोनों की एक माह पहले मुलाकात हुई थी। इसमें रोशन ने विवेक से कहा था कि उसकी इंदौर में पहचान है, कोई एसयूवी चोरी या लूटकर के इंदौर ले जाकर उसको पार्ट्स में बेच देंगे। इस पर विवेक भी शामिल हो गया था। वह एसयूवी या लक्जरी कार लूटना चाहते थे। इसके लिए वह एक सप्ताह से हलालपुर बस स्टैंड के आसपास चक्कर लगा रहे थे, जब मौका नहीं मिला ।

आईएसबीटी पर वारदात करने का बनाया प्लान

जब आरोपी एसयूवी लूट की वारदात करने में कामयाब नहीं हो पाए तो रोशन ने विवेक से आईएसबीटी से कार लूटने का प्लान बनाया और रणनीति के तहत रोशन ने विवेक की बाइक को आईएसबीटी की पार्किंग में खड़ा कराया और पार्किंग की पर्ची ली। बाद में उसकी दूसरी चाबी से उसे विवेक से ही वारदात के लिए बाइक को चुरा लिया था। फुटैज में वह मास्क लगाकर पीछे के गेट से बाइक लेकर जाता दिख रहा है। वही लूट के समय मिसरोद ब्रिज के पास पहुंचा और होटल का किराया न देने की बात रोशन से कही लूट की वारदात को अंजाम दिया।

रोशन पर दर्ज है दुष्कर्म का मुकदमा

रोशन अय्याश प्रवृति का है। महंगी कारों से घूमना और लड़कियों को इंप्रेस करना उसकी आदत है। पिपलानी थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज है। उसके पास बीएमडब्ल्यू कार है। जिसकी रियेरिंग के लिए उसे डेढ़ लाख की जरुरत थी। इसी जरूरत के चलते उसने विवेक के साथ लूट का मंसूबा बनाया था।

मिल्क कोल्डड्रिंक फैक्टरी संचालक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल (एजेंसी)। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सौम्या फॉरच्यून हेरिटेज में गुरुवार रात मिल्क कोल्डड्रिंक फैक्टरी के संचालक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बीते दो दिनों से वह फैक्टरी नहीं जा रहे थे। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनका शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण आत्महत्या के सही वजह का खुलासा नहीं हो सका है। मृतक का मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल का परीक्षण किया जाएगा। शनिवार को पीएम के बाद में बॉडी परिजनों के हवाले कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि परिजन समेत अन्य परिचितों के बयान दर्ज किए जाएगे। इसके बाद ही आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

दो दिन से नहीं जा रहे थे फैक्टरी, पुलिस जांच में जुटी

टीआई निरंजन शर्मा ने बताया कि रमाकांत वर्मा पिता हेमराज वर्मा (30) लैट नंबर ए-5/503, सौम्या फॉरच्यून हेरिटेज, ग्यारह मील मिसरोद में अपनी पत्नी के साथ रहते थे और मंडीदीप में एक मिल्क कोल्डड्रिंक फैक्ट्री का संचालन करते थे। इस फैक्ट्री में उनके साथ दो अन्य व्यक्ति पार्टनर हैं। वहीं रक्षा बंधन में उनकी पत्नी मंडीदीप अपने मायके गई हुई थी। गुरुवार रात करीब 8 बजे वह मायके से घर लौटी तो रमाकांत लैट का दरवाजा नहीं खोल रहे थे। बार-बार कॉल करने के बाद भी उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। घटना की जानकारी उनकी पत्नी ने रिश्तेदार सुमित वर्मा को दी। सुमित वर्मा भी मौके पर पहुंचे और दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से किसी तरह दरवाजा खोला गया तो अंदर कमरे में रमाकांत का शव रस्सी के फंदे पर पंखे पर लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की पार्टी को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को घटनास्थल के निरीक्षण में सुसाइड नोट नहीं मिल सका है। टीआई का कहना है कि मृतक के पार्टनर सहित पत्नी व अन्य रिश्तेदारों के बयानों को दर्ज किया जाएगा, जिसके बाद ही आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है।

ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना इलाका स्थित रेलवे ट्रेक से शुक्रवार को पुलिस ने युवक की लाश बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की जान ट्रेन की चपेट में आने से गई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कामय कर लिया है। घटना की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार कन्छेदी लाल पुत्र धनीराम प्रजापति (35) रासलाखेड़ी में रहता था और प्रायवेट काम करता था। शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे वह घर से किसी काम का कहकर निकला था। शाम करीब सवा चार बजे भानपुर रेलवे ट्रैक पर उसका शव बरामद हुआ।

घर के बाहर घूमता मिला जिला बदर बदमाश

भोपाल। आधा दर्जन से अधिक गंभीर अपराध दर्ज होने के बाद टीटी नगर पुलिस ने जिस बदमाश को दस दिन पहले जिला बदर किया था, बीती रात वह अपने घर के पास घूमता हुआ मिला है। पुलिस ने एनएसए के तहत गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। आज दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। टीटी नगर पुलिस के अनुसार शेख शमद उर्फ कालू पिता शेख इस्माइल (32) पंचशील नगर में रवींद्र कॉलेज के पास परिवार सहित रहता है। उसके खिलाफ आधा दर्जन गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसके चलते टीटी नगर पुलिस ने जिला प्रशासन ने उसे जिला बदर करने का आदेश कराया था। 18 अगस्त को उसे जिला बदर घोषित किया गया था। वह आदेश का उल्लंघन कर कई दिनों से अपने घर पर ही था। पुलिस बीती रात करीब पौने बारह बजे गश्त पर थी, तभी बदमाश मिल गया। पुलिस ने उसके खिलाफ रासुका के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मप्र श्रम कल्याण मंडल द्वारा संचालित श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना की बैठक आयोजित, आवेदनों का किया अवलोकन

भोपाल। मप्र सरकार के श्रम कल्याण मंडल द्वारा संचालित श्रमिक साहित्य पुरस्कार समिति की बैठक श्रम कल्याण कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में श्रम विभाग द्वारा गठित समिति के सदस्य प्रदीप तिवारी, पंकज चतुर्वेदी व मधुकर साबले कल्याण मण्डल सहायक आयुक्त आरपी मिश्रा जनसंपर्क अधिकारी दिलीप बेहरे उपस्थित थे । चयन समिति द्वारा आए हुए हजारों आवेदनों का अवलोकन किया गया। प्रदेश के संगठित क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों को प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की गई थी, इस योजना में साहित्य के चार विधायों में कुल 12 पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार के लिए श्रमिकों द्वारा स्वरचित कविता, कहानी व निबंध आमंत्रित किए जाते हैं पुरस्कार के लिए योग्य रचनाओं की अनुशंसा मंडल चयन समिति द्वारा कर मप्र श्रम कल्याण अध्यक्ष की अगली बैठक में तय किया जाएगा।

आज शहर में अनोखा प्रदर्शन, गड्ढों में रैंप वॉक करेंगी महिलाएं

भोपाल। शनिवार को राजधानी के दानिश नगर में रहवासी अनोखा प्रदर्शन करने जा रहे हैं। कॉलोनी की युवतियां और महिलाएं गड्ढों में रैंप वॉक करेंगी। इस प्रदर्शन में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल होंगे। रहवासियों का आरोप है कि प्रशासन की बेरूखी के चलते हमें यह कदम उठाना पड़ रहा है। इसकी सूचना रहवासियों ने पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन को सोशल मीडिया के माध्यम से दे दी है। दरअसल इस बरसात में राजधानी की जर्जर सड़कों को लेकर हर कोई परेशान है। राजनैतिक दल पहले से ही खराब सड़कों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन अब रहवासी भी प्रदर्शन करने को मजबूर हो गए हैं। महिलाओं का कहना है कि सालों से जर्जर सड़क की समस्या है। कई बार जिम्मेदारों को शिकायत की जा चुकी है। सड़क निर्माण ऐजेंसियों की बेरूखी के चलते ही अब आंदोलन करने को मजबूर हो गए हैं। दानिश नगर रहवासी संघ की अंशु गुप्ता के मुताबिक होशंगाबाद रोड स्थित दानिश नगर कॉलोनी में 450 से ज्यादा घर हैं। इस बरसात में रहवासियों को पैदल गुजरना तक मुश्किल हो गया है। श्रीमति गुप्ता ने बताया कि कॉलोनी में सड़क के अलावा पानी, बिजली, नाली आदि की समस्या भी हैं।

लोक शिक्षण संचालनालय के गेट पर ताला डालकर दूसरे दिन भी निजी स्कूल संचालकों ने किया आंदोलन

भोपाल। बेमियादी हड़ताल का डंका बजा चुके प्रदेश के निजी स्कूल संचालक दूसरे दिन भी लोक शिक्षण संचालनालय के गेट पर ताला डालकर आंदोलन पर डटे रहे। जो आंदोलन कार्यक्रम तैयार किया गया है उसके तहत प्रतिदिन एक जिले के स्कूल संचालक मुख्यालय पर बैठकर आंदोलन करेंगे। शुक्रवार को विदिशा एवं सीहोर जिले के स्कूल संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के समीप एकजुट हुए जहां पर जमकर नारेबाजी की गई। आरोप लगाया गया है कि शिक्षा विभाग में जबरदस्त तरीके से भ्रष्टाचार है। कुछ चंद अधिकारी जिनका पूरा जीवन राज्य शिक्षा केंद्र और लोक शिक्षण संचालनालय में गुजरा है। वे प्रदेश के एक करोड़ बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को संभाल रहे हैं। दुर्भाग्य है कि इन भ्रष्ट अधिकारियों ने कभी स्कूलों में पढ़ाया तक नहीं है फिर भी मनमाने दिशा निर्देश जारी कर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर रहे हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के बैनर तले यह आंदोलन चल रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह कार्यकारी अध्यक्ष एचके शुक्ला एवं वरिष्ठ पदाधिकारी आरके सिंह बघेल ने बताया कि लगातार 52 दिन तक यह आंदोलन प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया है कि मान्यता के नाम पर जहां स्कूल संचालकों को परेशान किया जा रहा है। वहीं पिछले करीब 4 साल से लंबित आईटी फीस के भुगतान में भी लगातार आनाकानी की जा रही है। यही वजह है कि प्रदेश के हर जिले का प्राइवेट स्कूल संचालक आंदोलन के लिए मजबूर हुआ है।

कोर्ट में भी उजागर हुआ ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस का दोहरा चरित्र

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण को लेकर सरकार की तरफ से लगातार दूसरे दिन संभाला मोर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में कांग्रेस द्वारा ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण से वंचित करने का सच एक बार फिर सामने आ गया है। अपनी सरकार के समय इस आरक्षण को लेकर विधानसभा सहित अदालत में झूठ बोलने वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार के एक गलत निर्णय को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और मप्र लोक सेवा आयोग से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के मामले को लेकर लगातार दूसरे दिन राज्य सरकार की ओर से मोर्चा संभाला और कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। भूपेन्द्र सिंह के मुताबिक कोर्ट ने यह जवाब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं अन्य की तरफ से दायर याचिका पर तलब किया है। इससे कांग्रेस का ओबीसी विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आ गया है, क्योंकि याचिका में पीएससी के जिस नियम को सांप्रदायिक आरक्षण लागू करने वाला बताया गया है, वह नियम कमलनाथ की तत्कालीन सरकार ने ही लागू किया था। कमलनाथ की उस समय की सरकार ने यह नियम बनाया था कि पीएससी की राज्य वन सेवा एवं वन सेवा भर्ती परीक्षा में अनारक्षित वर्ग में सिर्फ अनारक्षित अभ्यर्थी ही रहेंगे। इस तरह वह नियम कमलनाथ

कांग्रेस को फिर कटघरे में किया खड़ा

की तत्कालीन सरकार ने समाप्त कर दिया था, जिसमें यह व्यवस्था थी कि अनारक्षित वर्ग में आरक्षित एवं अनारक्षित वर्ग के प्रतिभवान उम्मीदवारों का ही चयन किया जाएगा। मंत्री सिंह के मुताबिक कमलनाथ ने सरकार में रहते हुए खुद ही आरक्षित वर्ग के साथ अन्याय किया और अब खुद के बनाए नियम को ही न्यायालय में चुनौती देकर उन्होंने अपनी महाभूल को स्वीकार लिया है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि कमलनाथ ने मुख्यमंत्री रहते हुए खुद ही ऐसी व्यवस्था लागू की, जिससे पिछड़ा वर्ग को 14 फीसदी से अधिक आरक्षण न मिल सके। अब वही कमलनाथ अपने ही निर्णय के खिलाफ अदालत में वकील खड़ा करके पूरी कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र उजागर कर रहे हैं। कांग्रेस की ऐसी गलत नीतियों तथा नियत के चलते पिछड़ा वर्ग स्वयं को ठगा हुआ पा रहा है।

भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस और उसकी पूर्ववर्ती राज्य सरकार कभी भी ओबीसी वर्ग की शुभचिंतक नहीं रही। यही कारण रहा कि ओबीसी आरक्षण के संबंध में कमलनाथ सरकार ने राज्य विधानसभा और हाईकोर्ट में प्रदेश की ओबीसी आबादी केवल 27 फीसदी होने की असत्य जानकारी दी। इसके चलते ही अदालत ने शत - प्रतिशत आबादी को आरक्षण देने से मना करते हुए इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि तीन परीक्षाओं को छोड़कर बाकी में 27 फीसदी आरक्षण का निर्णय लागू कर दिया है। बाकी तीन परीक्षाओं में आरक्षण पर स्टे हटाने के लिए भी राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। इसके लिए आवश्यकता होने पर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट भी जाएगी।

सीएस की अध्यक्षता में मप्र ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित

भोपाल । राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मप्र ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित की है। समिति में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पर्यावरण, संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, परियोजना निदेशक या मुख्य अभियंता, मुख्य वास्तुविद लोक निर्माण, सचिव मप्र विद्युत नियामक आयोग, प्रत्येक विद्युत वितरण कंपनी से एक प्रतिनिधि, ऊर्जा कार्यकुशलता ब्यूरो भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय के प्रतिनिधि, चयनित तीन तकनीकी विशेषज्ञ सदस्य होंगे। प्रबंध संचालक मप्र ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति वाणिज्यिक भवनों एवं प्रतिष्ठानों में ऊर्जा दक्षता व ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भवन के विभिन्न घटकों, प्रणालियों में मापदंडों के अनुकूलन से ऊर्जा दक्षता मानकों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन करेगी। समिति द्वारा मुख्यतः ऊर्जा निष्पादन सूचकांक, क्षेत्रवार गर्म और शुष्क क्षेत्र, मिश्रित क्षेत्र के वर्गीकरण के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति की सहायता के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो नई दिल्ली को सुझाव देना, विभागों, संस्थानों, भवन स्वामी एवं अन्य के निर्धारित उत्तरदायित्व के लिए शुल्क संरचना एवं वित्तीय व्यवस्था की संरचना लागू करना का कार्य किया जाएगा।

राज्यपाल को लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने सौंपा वार्षिक प्रतिवेदन

भोपाल, (प्रसं)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से शुक्रवार को लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा। इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के सदस्य चंद्रशेखर रायकवार, डॉ. रमन सिंह सिकरवार, डॉ. देवेन्द्र सिंह मरकाम और सचिव वंदना वैद्य उपस्थित थे।

कोरोना संक्रमण से निपटने सरकार पूरी तरह से सजग, सीएम बोले

तीसरी लहर रोकने प्रदेश ने किए हैं पर्याप्त इंतजाम

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के प्रभाव को रोकने के लिए जो सामूहिक प्रयास हुए है, उसमें आशातीत सफलता भी मिली है। चिकित्सकीय विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने पूरी सजगता के साथ मेडिकल ऑक्सीजन और जरूरी दवाओं के साथ जरूरी इंतजाम पूरे प्रदेश में कर लिए हैं। इन व्यवस्थाओं के साथ आवश्यक है कि प्रदेश की जनता कोरोना प्रोटोकाल के अनुकूल व्यवहार अपनाएं और स्वयं जागरूक होकर अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

चौहान ने कहा कि कोरोना की पहली और दूसरी लहर में हमने जो खोया है, उससे सबक लेकर वे सभी व्यवस्थाएंसुनिश्चित की गई हैं, जिनकी बदौलत हम कोरोना की तीसरी लहर के

प्रभाव को बढ़ने नहीं देंगे। चौहान ने कहा कि हमने यह भी तय कर लिया है कि अक्टूबर माह तक सभी जिलों में सीटी स्केन की व्यवस्था उपलब्ध हो जाए। अभी तक 30 जिलों में 32 स्लाइस की सीटी स्केन मशीन लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। शीघ्र ही सभी जिलों में सीटी स्केन मशीनें भी स्थापित कर दी जाएगी।

वैक्सीनेशन के लिए प्रदेश में होड़

मुख्यमंत्री कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव का सबसे कारगर उपाय कोरोना वैक्सीन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मप्र को पर्याप्त वैक्सीन डोजेज उपलब्ध करवाकर महान कार्य किया है। मध्यप्रदेश की जनता ने भी प्रधानमंत्री की भावनाओं को सम्मान देते हुए व्यापक पैमाने पर वैक्सीन लगवाई है। वैक्सीनेशन में प्रदेशवासियों की व्यापक जन-भागीदारी का परिणाम रहा कि मप्र ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। प्रदेश में वैक्सीनेशन कराने वालों का प्रतिशत लगातार बढ़ता जा रहा है।

आईसीयू, ऑक्सीजन बेडस में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में लगातार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इन संस्थाओं में 784 आईसीयू बेड्स क्रियाशील किए गए हैं। सितम्बर माह तक 650 अतिरिक्त आईसीयू बेड और क्रियाशील होंगे। इन संस्थाओं में 11 हजार 156 ऑक्सीजन बेड्स क्रियाशील किए गए हैं। सितंबर माह तक इनकी कुल संख्या 14 हजार 255 हो जाएगी। चौहान ने कहा कि चिकित्सक, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफके पदों की पूर्ति की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो गई है। रेडियो ग्राफर, लेब टेक्निशियन और ऑप्थाल्मिक टेक्निशियन के 429 पदों पर भर्ती की भी प्रक्रिया पूरी हो गई है।

भाजपा आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के संयोजकों ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल । भाजपा आईटी विभाग एवं सोशल मीडिया विभाग के नवनियुक्त संयोजकों एवं सह संयोजक ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। पदभार के पश्चात नवनियुक्त संयोजकों ने सोशल मीडिया को लेकर पार्टी की आगामी माह की रणनीति पर विभाग के प्रभारी के साथ चर्चा की। भाजपा प्रदेश कार्यालय, पं. दीनदयाल परिसर में शुक्रवार को पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के संयोजक अभिषेक शर्मा, आईटी विभाग के संयोजक अमन शुक्ला, सह संयोजक गौरव विश्वकर्मा ने पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री एवं आईटी सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी रजनीश अग्रवाल, प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाह, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, आईटी विभाग के पूर्व संयोजक शिवराजसिंह डाबी के साथ पं दीनदयाल उपाध्याय, स्व. कुशाभाऊ ठाकरे और राजमाता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के पश्चात अभिषेक शर्मा, अमन शुक्ला एवं गौरव विश्वकर्मा ने पार्टी नेताओं की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया।

सितंबर माह की रणनीति पर हुई चर्चा

पदभार ग्रहण के पश्चात आईटी विभाग एवं सोशल मीडिया विभाग के संयोजकों ने पार्टी के प्रदेश मंत्री एवं आईटी सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी रजनीश अग्रवाल के साथ सितंबर माह में पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर बैठक में आईटी मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग के पूर्व संयोजक शिवराजसिंह डाबी, पवन दुबे, सोमेश पालीवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में बिजली, महंगाई एवं महिला अत्याचार को लेकर कमलनाथ ने कसा शिवराज पर तंज

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस सरकार के समय पर प्रदेश की बुरी हालात के लिए भाजपा द्वारा दिग्विजय सिंह को मि. बंढाधार के नाम से पुकारने के बाद अब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश की वैसी ही स्थिति को लेकर शिवराज सिंह चौहान को लेकर तंज कसा है।

नाथ ने अपने ट्वीट में कहा है कि प्रदेश में बिजली नही, प्रदेश अंधकार में, महंगे बिजली बिलों की मार जारी, सड़कों पर गड्ढे नहीं, बल्कि गड्ढों में सड़क, किसान परेशान, अपराधों में प्रदेश अव्वल, बहन-बेटियां असुरक्षित, महंगाई चरम पर, गैस, पेट्रोल-डीजल की कीमत आसमान पर, युवा रोजगार मांगे तो मिले लाठियां, कर्मचारी परेशान, आदिवासी-ओबीसी वर्ग का उत्पीड़न जारी, हर वर्ग परेशान, माफियाओ के हौसले बुलंद, जहरीली शराब की बेखौफ बिक्री, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, कोरोना में कुप्रबंधन से हजारों मौतें, प्रदेश कर्ज के दलदल में, व्यापार-व्यवसाय चौपट, झूठी घोषणाएं जारी, भ्रष्टाचार चरम पर अब इसके बाद तो कौन शिवराज जी को मि बंटाधार नहीं कहेगा।

सरकार कांग्रेस नेताओं की पत्रकार वार्ताओं में करवा रही बिजली गुल

भोपाल । प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार छीन रही है। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री और मीडिया प्रभारी केके मिश्रा ने शुक्रवार को लगाया है। प्रदेश महामंत्री मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस को जनाकांक्षाओं के अनुरूप धरना- प्रदर्शन की अनुमति नहीं देना, प्रदर्शन सभाओं में कार्यकर्ताओं पर वॉटर केनन से प्रहार, लाठीचार्ज, झूठे केस लगाना, उन्हें गिरफ्तार करना, राष्ट्रद्रोह व जिलाबदर करने जैसे गंभीर राजनैतिक कदाचरण के अलावा अब वरिष्ठ नेताओं की पत्रकार वार्ताओं में बिजली गुल करवाने का हथकंडा अपनाना शुरू कर दिया है। शुक्रवार दोपहर 12 बजे पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया की कांग्रेस मुख्यालय, भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जानबूझ कर बिजली गुल करवा दी गई। इसके पहले भी वरिष्ठ नेताओं की कई पत्रकार वार्ताओं में ऐसा आचरण सामने आया है, जो निंदनीय और अक्षम्य है।

नीमच में आदिवासी युवक की हत्या के पीछे भाजपा के लोगों का हाथ

कांतिलाल भूरिया की अध्यक्षता वाली समिति ने सौंपी कमलनाथ को रिपोर्ट

भोपाल (एजेंसी)। विगत 26 अगस्त को नीमच जिले में एक भील आदिवासी युवक को पिकअप वाहन से बांधकर घसीटने की घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा नियुक्त जांच समिति के अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में खुलासा किया कि बाणदा में कन्हैया भील उर्फ कान्हा को चोरी के मिथ्या आरोप में पिकअप वाहन से घसीट कर मार डालने वाले लोग भाजपा के नेता हैं। यह घटना केवल गांव में अपनी धौंस जमाने के लिए और लोगों में भय का वातावरण बनाने के लिए रची गई। श्री भूरिया ने बताया कि मुख्य आरोपी महेंद्र गुर्जर भाजपा का समर्थक है, उसकी पत्नी वर्तमान में सरपंच है और इस परिवार के लोग विगत 20 वर्षों से ग्राम पंचायत बाणदा के सरपंच पद पर हैं। मुख्य आरोपी पर वर्तमान सरपंच पति स्थानीय विधायक जावद एवं मंत्री का समर्थक होने के कारण ग्रामीणों को कार्रवाई होने पर संशय है। प्रशासन पर सरकार का दबाव है। परिवार एवं ग्रामीण जन भयभीत हैं।

जांच समिति के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक नीमच से मिलकर परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कार्रवाई करने एवं उन्हें सख्त सजा देने की मांग करते हुए कहा है कि मृतक का परिवार उजड़ गया है तथा उसका मात्र 2 वर्ष का एक बच्चा है, इसलिए मृतक के परिवार को एक आवास तथा परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाए।

प्रदेश को कांग्रेस की घृणित राजनीति से बचाने की जरूरत: शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा नीमच में अदिवासी युवक की हत्या पर प्रदेश सरकार द्वारा समय पर कार्रवाई न करने के आरोप पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसकी घृणित राजनीति से प्रदेश को बचाने की आवश्यकता बताई है।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता मध्य प्रदेश के सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ना चाहते हैं। जिन लोगों के शासनकाल में महीनों तक अपराधी नहीं पकड़े जाते थे, वह आज हमें ज्ञान देना चाहते हैं। सच तो यह है कि नीमच की घटना में जो हुआ उसे सरकार ने अत्यंत गंभीरता से लिया। अपराध के बाद अपराधी बचकर नहीं भाग पाए और उसे कठोरतम सबक सिखाया जाए, इसके लिए भाजपा की सरकार ने और प्रशासन ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। नीमच में अमानवीय हत्या करने वालों की संपत्ति को नष्ट कर दिया गया। सारे आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता का प्रबंध किया गया है। भाजपा सरकार ने जिस प्रकार से तत्परता के साथ संवेदना पूर्ण तरीके से इसमें कार्रवाई की है, वह भी अत्यंत महत्वपूर्ण है । श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शायद अपने 15 महीने के शासनकाल में उन अपराधों को भूल गई, जिनमें उनकी नाकामी के कारण चित्रकूट के 2 नौनिहालों को डाकुओं से जिंदा या नहीं बचाया जा सका था। कांग्रेस सागर की उस घटना को भी भूल गई, जिसमें दलित धन प्रसाद को घर में जिंदा जला दिया गया था और अपराधी लंबे समय तक नहीं पकड़े जा सके थे। कांग्रेस यह भी भूल गई की धार के रास्ते में कुछ किसानों को सरेराह पीट पीट कर मार डाला गया था।

भाजपा कर रही है पिछड़े वर्ग को गुमराह करने का प्रयास: धनोपिया

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एडवोकेट जेपी धनोपिया ने भोपाल में शुक्रवार को बताया है की राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष बनाने को लेकर मीडिया में चल रही खबरें पूरी तरह से बेबुनियाद और तथ्यहीन है कि गौरी शंकर बिसेन को मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वास्तविकता यह है की श्री बिसेन पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं, जिसकी मुख्यमंत्री द्वारा 15 अगस्त के अपने संबोधन में इसके गठन की घोषणा की गई थी। यह एक सामान्य आयोग जैसे जांच आयोग होते हैं ऐसे ही बिना संवैधानिक नियमों के अनुरूप उनकी नियुक्ति है। धनोपिया ने कहा कि तथ्य है की मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका मैं अध्यक्ष हूं। उच्च न्यायालय में प्रकरण चलने के दौरान शासन कोई नियुक्ति नहीं कर सकता। यह प्रयास पिछड़ा वर्ग के लोगों में भ्रम पैदा करना और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का हथकंडा है।

सागर जिले में बनेगा बुंदेलखंड अंचल का वन्य जीव अभयारण्य

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सागर जिले में नया वन्य जीव अभयारण्य बनेगा। बुंदेलखंड अंचल के प्रकृति और वन्य जीव प्रेमियों के लिए यह अनूठा उपहार होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की विगत दिनों हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है।

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में दी गई सैद्धांतिक मंजूरी

उल्लेखनीय है कि वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह द्वारा वन्य जीव संरक्षण के प्रयासों को विस्तार देते हुए प्रदेश के आरक्षित वन क्षेत्रों में 10 नवीन अभयारण्य बनाए जाने के निर्देश के पालन में वन विभाग ने यह महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग द्वारा उत्तर सागर वन मंडल का 25 हजार 864 हेक्टेयर (25864 वर्ग किमी) क्षेत्र अभयारण्य के लिए चुना गया है। इसका मुख्यालय सागर और नाम डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य उत्तर सागर होगा।

प्रस्तावित अभयारण्य के 5 किमी की परिधि में 88 ग्राम हैं, जिनकी निस्तार व्यवस्था वनों पर आश्रित है। अभयारण्य क्षेत्र में 98.202 घन मीटर इमारती एवं 236 घनमीटर जलाऊ काष्ठ की अनुमानित राशि वार्षिक क्रमशः 42 लाख एवं 4.96 लाख रुपए प्रभावित होना ऑकी गई है। अभयारण्य के लिए 42 अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती होगी। इनमें एक उप वन मंडल अधिकारी के अलावा वनक्षेत्रपाल, वनपाल और वन रक्षक के 41 पद प्रस्तावित किए गए हैं। अमले पर वार्षिक अनुमानित व्यय रुपए एक करोड़ 48 लाख आएगा।

धान उपार्जन के लिए 15 से शुरू होगा पंजीयन

समर्थन मूल्य पर धान के साथ ज्वार-बाजरे की भी होगी खरीदी

भोपाल (एजेंसी)। समर्थन मूल्य पर धान एवं ज्वार-बाजरे के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 सितंबर से 14 अक्टूबर 2021 तक किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए धान का न्यूनतम मूल्य 1940 रूपए, ज्वार 2738 रूपए एवं बाजरा 2250 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिला स्तर पर होने वाला पंजीयन विगत रबी एवं खरीफकी भांति इस वर्ष भी भू-अभिलेख के डाटाबेस के आधार पर किया जाएगा।

प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण फैज अहमद किदवई ने बताया कि किसानों को ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। किसान अब अपना पंजीयन डाटाएंट्री के अलावा एमपी किसान एप, प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं एवं विगत खरीफवर्ष में उपार्जन-पंजीयन करने वाले महिला स्व-सहायता समूह एवं एफपीओ द्वारा संचालित पंजीयन केंद्र से भी करा सकेंगे। इसके अलावा सिकमीदार एवं वनाधिकार पट्टाधारी अपना पंजीयन समिति,एफपीओ,महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित केंद्रों में ही करा सकेंगे। प्रदेश में 1718 पंजीयन केंद्र बनाए गए है।

पंजीयन के लिए दस्तावेज: प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि पंजीकरण के लिए जिन किसानों ने खरीफएवं रबी के मौसम में ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया था, उन्हें पुनः दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। किसान द्वारा विगत वर्ष दिए गए आधार कार्ड और बैंक पासबुक के आधार पर पंजीयन किया जा सकेगा। नए पंजीयन के लिए किसानों को यह दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

गृह मंत्री ने बुरहानपुर में की कानून व्यवस्था की समीक्षा

जिले में टीम भावना से कानून व्यवस्था प्रबंधन कार्य सराहनीय : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बुरहानपुर में टीम भावना से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा बुरहानपुर के कोतवाली थाना स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक कर समीक्षा कर रहे थे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाए। विवेचना का कार्य तेजी से सुनिश्चित किया जाकर शीघ्रता से अपराधियों को सजा दिलाए जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अपराधों में कमी लाया जाना निहायत ही जरूरी है, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। डॉ. मिश्रा ने एफआईआर- आपके द्वार और ई -एफआईआर पर चर्चा करते हुए जिले में क्रियान्वयन बेहतर करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कराया विभिन्न कार्रवाईयों से अवगत : समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढा ने जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में की गई कार्रवाईयों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने जिले में महिलाओं के विरूद्ध घटित आपराधिक प्रकरणों, रासुका प्रकरणों, एसटी/एससी पर घटित आपराधिक प्रकरणों एवं चिन्हित अन्य अपराधों पर की गई कार्रवाईयों के साथ ही अवैध शराब माफियाओं के विरूद्ध की गई कार्रवाईयों की विस्तृत रूप से जानकारी दी।

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शुक्रवार को बुरहानपुर में पूर्व सांसद स्व. नंदकुमार सिंह चौहान के परिजनों से घर जाकर मुलाकात की।

यह रहे मौजूद: इस अवसर पर पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस, विधायक बुरहानपुर ठा. सुरेंद्र सिंह, विधायक नेपानगर सुमित्रा देवी कास्डैकर, पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणचारी मिश्र, पुलिस उप महानिरीक्षक तिलक सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. मिश्रा ने अटल स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की: गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बुरहानपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में बनाए गए अटल स्मृति स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

डॉ. मिश्रा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. चौहान के परिजनों से की मुलाकात: गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा बुरहानपुर प्रवास के दौरान सांसद एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष स्व. नंदकुमार सिंह चौहान के निवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की। डॉ. मिश्रा ने कहा कि नंदू भैया हमारी स्मृतियों में चिर- स्थाई रूप से रहेंगे। अपने क्षेत्र और प्रदेश के लिए किए गए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकेगा।

मप्र में मॉब लिंचिंग की एक भी घटना नहीं : मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि प्रदेश में मॉब लिंचिंग की एक भी घटना नहीं हुई है। लिन्चिग का मतलब होता है हत्या और प्रदेश में इस तरह से कोई हत्या नहीं हुई है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि नीमच की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, जिसमे सभी आरोपी गिरफ्तार हो गए है। इसके अलावा प्रदेश में जितनी भी घटनाएं हुई हैं, सभी में आरोपी गिरफ्तार हुए हैं और पुलिस ने सौ फीसदी मामलों में कार्रवाई की है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि प्रदेश में सांप्रदायिक उन्माद कांग्रेस भड़का रही है और आरोप सरकार पर लगा रही है। गृह मंत्री निमाड़ अंचल में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए आये थे। उन्होंने बुरहानपुर, खंडवा में पुलिस अधिकारियों के साथ जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की इसके बाद वे खरगोन रवाना हो गए।

मध्यप्रदेश में एक भी हत्या नहीं हुई : डॉ. मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मॉब लिंचिंग शब्द का प्रयोग कांग्रेसी करते हैं तो उनकी बुद्धि पर तरस आएगा। मीडिया को इस शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिए। लिंचिंग का अर्थ है हत्या और मध्यप्रदेश में एक भी हत्या नहीं हुई है। नीमच में जो हुआ उसे मॉब लिंचिंग नहीं कह सकते, वह बहुत निंदनीय कृत्य था। ऐसा कृत्य जो किसी भी शिक्षित या समझदार मानव को शोभा नहीं देता। वह घटना अलग प्रकार की थी, इसमें जो पीड़ित व्यक्ति बल्लू था उसकी पत्नी को उसका साढू ले गया था, वो बदहवास सा उसे ढूंढने लगा। रात का समय था नशे की हालत में हाथ में पत्थर लिए वह देर रात में इधर-उधर घूम रहा था तो लोगो ने उसको लुटेरा समझ लिया और एक्सीडेंट के बाद वह घटना घटित हुई। घटना निंदनीय है और सभी आठों आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं।

अनुष्का शर्मा ने मैच के दौरान गर्ल गैंग के साथ दिया पोज

अनुष्का शर्मा इन दिनों बेटी वामिका के साथ लंदन में हैं। वह करीब दो महीने से वहां हैं। इंग्लैंड के साथ टेस्ट मैच के दौरान पति विराट कोहली को चीयर करने अनुष्का पहुंची थीं। वह गर्ल गैंग के साथ स्पॉट हुईं। इसी दौरान अनुष्का ने अपने दोस्तों के साथ स्टैंड में खड़े होकर पोज दिया। तस्वीर को ईशांत शर्मा की पत्नी प्रतिमा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है।

गर्ल गैंग के साथ दिया पोज

तस्वीर को साझा करते हुए प्रतिमा सिंह लिखती हैं- 'बैक विद द लेडीज।' तस्वीर में अनुष्का और प्रतिमा के अलावा जसप्रीत बुमराह की पत्नी और टीवी होस्ट संजना गणेशन, मयंक अग्रवाल की पत्नी आशिता सूद, रविचंद्रन अश्विन की पत्नी पृथ्वी नारायणन और गेंदबाजी कोच भरत अरुण की पत्नी अनीता अरुण शामिल थीं। तस्वीर को अनुष्का ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर भी री-पोस्ट किया है। उनके लुक्स की बात करें तो इस दौरान उन्होंने फुल स्लीव टॉप के साथ ब्लू कलर की पैंट पहनी हुई है, जिसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं।

फिल्मों से दूर

अनुष्का की पिछली फिल्म 2018 में आई 'जीरो' थी जिसमें उनके अलावा शाहरुख खान और कटरीना कैफ थे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। फिलहाल अनुष्का अपने प्रोडक्शन हाउस में व्यस्त हैं। उनके प्रोडक्शन की फिल्म 'बुलबुल' और वेब सीरीज 'पाताल लोक' पिछले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

मैं वर्तमान में जीती हूं, पीछे मुड़कर नहीं देखती : कोंकणा

सिनेमा की दुनिया में दो दशक पूरी कर चुकीं अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा का कहना है कि वह कभी भी बहुत महत्वाकांक्षी नहीं रहीं और उन्होंने अभिनय के अपने अब तक के सफर में शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखा हो। कोंकणा ने जून 2001 में बांग्ला फिल्म 'एक जे अच्छी कन्यी से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। उन्होंने एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, मैं वास्तव में, अपनी अब तक की यात्रा पर पीछे मुड़कर नहीं देखती। मैं वर्तमान में जीती हूं। यह कहना भी ठीक नहीं होगा कि मैं आगे देखती हूं। मैं कभी भी बहुत महत्वाकांक्षी नहीं रही हूं, इसलिए मैं पीछे मुड़कर नहीं देखती। उन्होंने कहा, संभव है कि अपने जीवन के अंत में, मैं पीछे मुड़कर देखूं। लेकिन अभी, मैं बस वर्तमान में जीना चाहती हूं। और मैं अपने जीवन को दिलचस्प बनाना चाहती हूं। देखते हैं, मेरे सफर में और क्या आता है। कोंकणा (41) का अब तक सफर दिलचस्प रहा है और मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, पेज 3, ओमकारा, लाइफ इन ए... मेट्रो, वेक अप सिड, तलवार और लिपस्टिक अंडर माई बुर्का जैसी फिल्मों में उनके काम को लेकर उनकी प्रशंसा भी होती रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी परियोजना को तभी हाथ में लेती हैं जब उसका स्क्रिप्ट उन्हें पसंद आए। उन्होंने कहा, मैं उस काम को करने की कोशिश करती हूं जो मुझे दिलचस्प लगता है, वह काम, जिसके बारे में मुझे लगता है कि मैं कुछ योगदान करने में सक्षम हूं। फिल्मों में अभिनय के दौरान ही कोंकणा 2016 की चर्चित फिल्म 'ए डेथ इन द गंजे के साथ निर्देशन की शुरुआत की। फिर से निर्देशन करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री ने कहा कि अभी वह कई अन्य कार्यों में व्यस्त हैं। कोंकणा ने कहा, प्राथमिक रूप से मैं एक अभिनेत्री हूं। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे कुछ अच्छी भूमिकाएं मिलती रही हैं। इसलिए, मैंने खुद को उसमें व्यस्त रखा। और, मेरा दस साल का बेटा है। इसलिए, जीवन काफी भरा हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि निर्देशन एक मुश्किल काम है ... इसलिए मुझे लगता है कि जब मुझे वास्तव में कोई कहानी कहने की जरूरत होगी तो उम्मीद है कि मैं निर्देशन करूंगी। कोंकणा सेन शर्मा अब फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी द्वारा बनाए गए अमेजन प्राइम वीडियो शो मुंबई डायरीज में दिखेंगी। यह शो उन नायकों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने मुंबई आतंकी हमले के दौरान कई लोगों की जान बचाई।अभिनेत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्हें वेब शो में अभिनय के लिए कई प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने मुंबई डायरीज को चुना क्योंकि इसमें रोमांचित करने की क्षमता थी। मुंबई डायरीज एक सरकारी अस्पताल के आपातकालीन कक्ष से शुरू होती है जिसमे 26 नवंबर, 2008 की भयावह रात डॉक्टरों के सामने आने वाली चुनौतियों का विवरण देती है। मुंबई डायरीज का निर्देशन निखिल आडवाणी और निखिल गोंसाल्विस ने किया है। शो में मोहित रैना, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मई देशपांडे और प्रकाश बेलावाडी भी हैं। इसका प्रीमियर नौ सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

ऑनलाइन स्ट्रीम होगी 'हाथी मेरे साथी'

ज़ी सिनेमा ने हमेशा सबसे बड़ी और ताजातरीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ अपने दर्शकों को उनके घरों में ही संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन उपलब्ध कराया है। अब यह चैनल बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हाथी मेरे साथी' की एक्सक्लूसिव डायरेक्ट-टू-टीवी रिलीज़ करने जा रहा है, जिसे दर्शक अपने घर में आराम से बैठकर एंजॉय कर सकते हैं। अपनी रिलीज़ के बाद ये फिल्म एरॉस नाओ पर स्ट्रीम की जाएगी जो दक्षिण एशिया का एक अग्रणी ओटीटी प्लैटफॉर्म है, जिसमें फिल्मों के टाइटल्स, प्रीमियम ओरिजिनल्स, म्यूज़िक वीडियोज़, शॉर्ट फॉर्म कंटेंट जैसी बहुत-सी मनोरंजन सामग्रियां शामिल हैं।
इन दिनों ज्यादातर फिल्में पहले ओटीटी पर रिलीज़ हो रही हैं, लेकिन अब इस ट्रेंड से एक कदम आगे बढ़ते हुए ज़ी सिनेमा एक ऐसी फिल्म के साथ ग्रैंड मूवी रिलीज़ का जादू जगा रहा है, जो राजेश खन्ना की पॉपुलर क्लासिक 'हाथी मेरे साथी' की फ्रेंचाइज़ी कही जा सकती है। अपनी रोमांचक फिल्मों के लिए मशहूर प्रभु सोलोमन द्वारा लिखी और निर्देशित की गई इस फिल्म में बाहुबली सुपरस्टार राणा दग्गुबाती, हाथियों और प्रकृति के रखवाले बने हैं, जिनके साथ टैलेंटेड पुलकित सम्राट, श्रिया पिलगांवकर, ज़ोया हुसैन और अनंत महादेवन ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म एरॉस मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस की है, जो 18 सितंबर को सीधे ज़ी सिनेमा पर रिलीज हो रही है, जिसके बाद यह इरॉस नाओ पर स्ट्रीम होगी।
इंसानों और जानवरों का रिश्ता भाषा, क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं के दायरों से बहुत आगे होता है। घने जंगलों के बीच शाही हाथियों और उन्हें बचाने वाले समुदाय पर आधारित 'हाथी मेरे साथी' हमें ऐसी दिल छू लेने वाली भावनाओं से रूबरू कराती है, जो इंसानों और जानवरों को एक दूसरे से जोड़ती है।

टाइगर श्रॉफ ने कू पर किया डेब्यू, फैन्स ने किया स्वागत

टाइगर श्रॉफ ने गुरुवार को देसी माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफार्म चश्श पर अपना डेब्यू कर अपने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। उन्होंने मंच पर जुड़ते ही एक पोस्ट शेयर की। हाय दोस्तों, मुझे बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है की मैं भारत में बना सोशल मीडिया ऐप, कू जो कई भाषाओं में भारत से जुड़ता है का हिस्सा बना हूं।
टाइगर के कू हैंडल पर उन्होंने अपनी शर्टलेस प्रोफाइल पिक्चर लगाई है प्रोफ़ाइल जिसमें वह अपना सुपड़ शर्टलेस अवतार दिखा रहे है, जो उनके फेन्स को काफ़ी पसंद भी आ रही है। उनके वर्क फ्रंट को देखें तोह टाइगर फिलहाल हीरोपंती 2, गणपथ और रेम्बो मूवीज में दिखने वाले है जिसके लिए उन्होंने अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है।

लोगों की झिझक को मजेदार अंदाज में दिखाती है 'हेलमेट'

ओटीटी- जी5
निर्देशक- सतराम रमानी
स्टार कास्ट- अपारशक्ति खुराना, प्रनूतन बहल, अभिषेक बनर्जी, आशीष वर्मा, आशीष विद्यार्थी और शारिब हाशमी
कहानी- फिल्म की कहानी शादी के बैंड में बतौर सिंगर काम करने वाले लकी (अपारशक्ति खुराना) के इर्द गिर्द घूमती है। जो रूपाली (प्रनूतन बहल) से प्यार करता है, लेकिन रूपाली के पिता जोगी (आशीष विद्यार्थी) को लकी पसंद नहीं है, जिसकी मुख्य वजह है कि रूपाली अमीर घर की लड़की है, जबकि लकी पैसों की तंगी से जूझने वाला एक आम लड़का। ऐसे में लकी अपने दोस्त सुल्तान (अभिषेक बनर्जी) और माइनस (आशीष वर्मा) के साथ एक ट्रक लूटता है। लकी की जानकारी के मुताबिक ट्रक में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स होने चाहिए थे, लेकिन ट्रक के अंदर डिब्बों में कंडोम मिलते हैं। इसके बाद फिल्म में मजेदार अंदाज में समाज की कंडोम खरीदने की झिझक को दिखाया जाता है और ये सभी हेलमेट पहनकर कंडोम बेचना शुरू कर देते हैं। ऐसा करके इन सभी की आर्थिक दिक्कत दूर हो पाती है या नहीं, लकी- रूपाली से शादी कर पाता है या नहीं, ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।
क्या है खास- इस बात पर तो फिल्म के पहले पोस्टर से ही जोर दिया जा रहा है कि फिल्म समाज के उस हिस्से पर व्यंगात्मक रूप से चोट करती है, जो आज भी कंडोम खरीदने क्या, बल्कि बात करने से भी झिझकता है। फिल्म में ऐसे कई छोटे- छोटे किस्से और पहलू दिखाए गए हैं जिन से ये देखने को मिलता है कि आखिर कोई भी शख्स कंडोम की बात करने या फिर खरीदने से झिझकता क्यों है। देश की बढ़ती आबादी और सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज से बचाव के लिए कंडोम कितना जरूरी है, इसे फिल्म में बखूबी दिखाया गया है।
एक्टिंग और निर्देशन- फिल्म की कहानी के मुताबिक बतौर निर्देशक सतराम के पास कुछ बहुत हटकर करने के लिए था नहीं, ऐसे में उनका निर्देशन कहानी के हिसाब से ठीक है। इसके अलावा प्रनूतन बहल की एक्टिंग काफी ज्यादा ओवर लगती है। फिल्म के कई हिस्सों में अपारशक्ति खुराना भी ओवर एक्टिंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं बात अभिषेक बनर्जी, आशीष वर्मा, आशीष विद्यार्थी और शारिब हाशमी की करें तो उन्होंने अपने किरदार के साथ इंसाफ किया है।

आज़ाद होना मेरे लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है : अदा खान

- आपने अमृत मंथन क्यों साइन किया?
स्क्रिप्ट, किरदार और ज़ाहिर है, निर्माता राजन शाही सर की वजह से मैंने राजकुमारी अमृत का रोल स्वीकार किया। अमृत मंथन और नागिन दोनों मेरे बहुत करीब हैं। अगर दर्शकों को शो पसंद आता है, तो दर्शक ही आपको स्टार बनाते हैं।
- क्या अमृत मंथन आपको पुरानी यादों में ले जाता है?
मुझे बीते पल बहुत याद आ रहे हैं। मेरा शो अमृत मंथन अब आज़ाद पर आ रहा है, जो गांव प्रेमियों का पहला प्रीमियम मनोरंजन चैनल है। यह शो रोजाना रात 10 बजे प्रसारित होता है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि पहले शहरी दर्शकों ने इसे देखा था और अब इसे पहली बार गांव प्रेमी दर्शकों को दिखाया जा रहा है। मैं बहुत उत्साहित हूं और शो के लिए उनकी प्रतिक्रिया जानना चाहूंगी। मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूं कि वे राजकुमारी अमृत पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। यह एक अलग तरह का उत्साह है क्योंकि इससे जुड़ी मेरी बहुत-सी यादें भी हैं। हमने फिल्म सिटी के सेट पर शो की शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की और मेरी यादें फिर से ताजा हो गई हैं। इसका हिस्सा बनना एक अनोखा अनुभव था। हम एक बार सेट पर एक खूंखार चीते के साथ थे और सभी मीडिया मौजूद थी और चीते को कवर कर रही थी। कोई भी इस जानवर से नहीं डरता था, मानो वो शूट पर एक खास मेहमान था। वो चीता अपने दो शावकों के साथ था। जब हम थोड़े डरे हुए थे, तब भी हम शूटिंग करते रहे। वो एक यादगार अनुभव था। साथ ही एक नियम भी था कि सभी को अपना फोन साइलेंट पर रखना होगा। काम के दौरान अगर किसी का फोन बजता, तो उन्हें सेट पर सभी को आइसक्रीम पार्टी देनी पड़ती थी। ऐसे में मुझे ही अक्सर अपने सह-कलाकारों को ट्रीट देना पड़ता था। मैंने सेट पर खूब मस्ती और प्रैंक भी किए हैं।
- अमृत मंथन में राजकुमारी अमृत के बारे में बताएं?
राजकुमारी अमृत के कई ग्रे शेड्स हैं। ये राजकुमारी अमृत की कहानी है। लोग समझते हैं कि राजा और रानी बहुत अमीर हैं, लेकिन असल में उनके पास कुछ भी नहीं है और वे दुनिया को सिर्फ दिखावा कर रहे हैं। इसलिए राजकुमारी अलग-अलग लोगों से शादी करके कई बुरे काम करके अपने परिवार की इज्जत बचाने की कोशिश कर रही है। इस कहानी में उनकी बहन निमृत के साथ उनका रिश्ता भी दिखाया गया है और कैसे इस रिश्ते में कड़वाहट आ जाती है। ये प्यार और नफरत के बारे में है। मैं न सिर्फ दर्शकों से पहली बार ये शो देखने का आग्रह करूंगी, बल्कि इसके सभी प्रशंसकों से इसे फिर से देखने की गुजारिश भी करना चाहूंगी।
- शो में अमृत का बहुत प्रभावशाली लुक है।
हां, जब वो किसी पर जीत हासिल करती है तो उसके कपड़े, साड़ी और उसके काम देखने लायक होते हैं। इससे सभी किरदार और भी प्रभावशाली बन गए।

बेशक, निर्माता राजन शाही सर के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।
- अमृत मंथन के बाद से आप में कितना बदलाव आया है?
मुझे लगता है कि मैंने थोड़ा वजन कम किया है। मैं बहुत छोटी थी, जब मैंने अमृत की भूमिका निभाई थी। अब मैं बड़ी हो गई हूं और एक अलग इंसान हूं। मैं खुद को उसी अदा खान के रूप में नहीं पहचान पाऊंगी क्योंकि समय के साथ हर कोई बदल जाता है।
- शो को पहली बार प्रसारित हुए कितने साल हो गए हैं?
यह फरवरी 2012 में लॉन्च हुआ था। मुझे याद है कि ये शो करते समय मेरी मां का निधन हो गया था और मुझे अपने क्षेत्र के लोगों और प्रशंसकों से बहुत सपोर्ट मिला था।

कृति सेनन को कू पर एक हफ्ते में मिले 20 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स

कू पर खाता खोलने के एक हफ्ते के अंदर ही गणपत स्टार कृति सेनन के अब भारत के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 20,000 से ज्यादा फॉलोअर हो गए हैं। हैंडल @kritisanon, का उपयोग करते हुए, उभरती बॉलीवुड स्टार अभिनेत्री ने अब मंच पर अपनी उपस्थिति मजबूती से स्थापित कर ली है। लगभग दो हफ्ते पहले, उनके सह-कलाकार और दोस्त, टाइगर श्रॉफ ने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म से जुड़कर अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया था, और उन्हें ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। कृति के कू में शामिल होने के बाद, कम से कम उनके चार फैनक्लब ने भी प्लेटफॉर्म पर अपने हैंडल बना लिए हैं - @FAN_OF_KS, @Kriti_Sanon_FC, @kritsaffection, @team_kritian.
कृति सनोन ने मंच पर अपनी आंखों की एक विचारोत्तेजक तस्वीर के साथ आने की घोषणा की और कू पर अपनी उपस्थिति के बारे में अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपने प्रशंसकों के बताया। हाल ही में, अभिनेत्री की एक खूबसूरत तस्वीर को 1,700 से अधिक लाइक्स मिले हैं। कृति कई भाषाओं में अपने प्रशंसकों से जुड़ने के लिए कू का इस्तेमाल करेंगी।
कृति सनोन, उन युवा अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो लोकप्रियता हासिल कर रही हैं और अपनी परियोजनाओं और पटकथाओं से लोगों को लुभा रही हैं। उन्होंने हाल ही में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक सुपरहिट, मिमी, जिसे पटकथा और उनके प्रदर्शन के लिए आलोचकों से सराहना मिली है। कृति वर्तमान में अपने सह-कलाकार प्रभास और सनी सिंह के साथ काम कर रही हैं और मैग्नम ओपस ड्रामा, आदिपुरुष की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं।

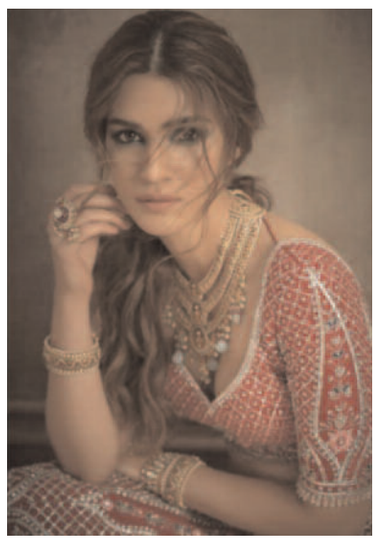

राधे का प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर इस संडे

राधे जाने के लिए नहीं, भेजने के लिए आया है! इस वीकेंड अपना टाइम सुरक्षित कर लीजिए और कुछ जबर्दस्त एक्शन देखने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ज़ी सिनेमा पर फिल्म 'राधे' के प्रीमियर के साथ आपका मोस्ट वॉन्टेड भाई करेगा बुराई की जम के पिटाई। हैरतअंगेज स्टंट्स और जम के एंटरटेनमेंट, एक्शन, डांस, रोमांस और भाई के कमिटमेंट के साथ यह फिल्म यकीनन आपके रविवार को रोमांचक बना देगी। सबसे बढ़िया एक्शन एंटरटेनर्स में से एक 'राधे' में बॉलीवुड लेजेंड्स सलमान खान (राधे) और जैकी श्रॉफ के साथ-साथ रणदीप हुड्डा (राणा), दिशा पाटनी और गौतम गुलाटी की बेहतरीन अदाकारी शामिल है। तो आप भी ज़ी सिनेमा पर 5 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे राधे के प्रीमियर के साथ राधे और राणा की जबर्दस्त टक्कर देखने के लिए तैयार हो जाइए।
राधे के रोमांचक एक्शन दृश्य और मनोरंजन से भरपूर कहानी में जबर्दस्त गाने और सीटीमार परफॉर्मेंस हैं, चाहे वो भाई का जलवा हो या फिर रणदीप हुड्डा, गौतम गुलाटी और संजय शेलरिम के साथ शातिराना अंदाज और स्वैग का शानदार कॉम्बिनेशन हो।

इंग्लैंड को पहली पारी में मिली 99 रन की बढ़त

भारत की दूसरी पारी में ठोस शुरुआत, बिना विकेट खोए 43 रन बनाए

लंदन। ओली पॉप की 81 रन की शानदार पारी और क्रिस वोक्स (50) के अर्धशतक से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पहली पारी में 290 रन बनाकर 99 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। जबाव में भारतीय टीम ने तीसरे सेशन में अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 43 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा 20 रन और लोकेश राहुल 22 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड से 56 रन पीछे है। इंग्लैंड ने सुबह कल के तीन विकेट पर 53 रन से आगे खेलना शुरू किया। इंग्लैंड की ओर से ओली पोप ने सबसे ज्यादा 81 रन बनाए। भारत की पारी में चार विकेट लेने वाले वोक्स ने बल्ले से भी अपने हाथ दिखाते हुए 60 गेंदों पर आक्रामक 50 रन में 11 चौके लगाए। इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छा जज्बा दिखाया और अपनी टीम को महबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ओली पोप ने 159 गेंदों पर 81 रन की जबरदस्त संघर्षपूर्ण पारी जबकि वोक्स ने 60 गेंदों पर आक्रामक 50 रन में 11 चौके लगाए। जानी बेयरस्टो ने 37 और मोईन अली ने 35 रन का उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से उमेश यादव 76 रन पर तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे जबकि बुमराह और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। शार्दुल तहजुर और मोहम्मद सिराज के हिस्से में एक-एक विकेट आया। सीरीज में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रहे जार्वो, जो फिर एक बार मैदान पर नजर आए। आज भी जार्वो ने अचानक से मैदान पर प्रवेश किया और तेजी से दौड़ लगाते नजर आए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा के 15000 रन पूरे

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 रन पूरे किए। इस मुकाम तक पहुंचने वाले वह 8वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित शर्मा को इस टेस्ट मैच से पहले 15000 रन तक पहुंचने के लिए 22 रन की दरकार थी। रोहित पहली पारी में 11 रन पर ही आउट हो गए थे। दूसरी पारी में उन्होंने इतने ही रन बनाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 34357 रन के साथ टॉप पर हैं, वहीं राहुल द्रविड़ 24064 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा विराट कोहली, सौरव गांगुल, महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग और मोहम्मद अजरूद्दीन जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

उमेश यादव के टेस्ट क्रिकेट में 150 विकेट पूरे

लगभग 6 महीने के बाद प्लेइंग इलेवन में वापसी करने वाले उमेश यादव ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। उमेश ने यह उपलब्धि 49वें मैच में हासिल की। भारत के लिए उमेश 150 टेस्ट विकेट लेने वाले 16वें गेंदबाज बने।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी (191/10)

इंग्लैंड पहली पारी	रन	गेंद	4	6
रोरी बर्न्स बो. बुमराह	05	11	0	0
हमीद कै. पंत बो. बुमराह	00	12	0	0
डेविड मलान कै. रोहित बो. उमेश	31	67	5	0
जो रूट बो. उमेश	21	25	4	0
ओर्वटन कै. कोहली बो. उमेश	01	12	0	0
ओली पोप बो. ठाकुर	81	159	6	0
बेयरस्टो पगबाधा सिराज	37	77	7	0
मोईन अली कै. रोहित बो. जडेजा	35	71	7	0
क्रिस वोक्स बो. रन आउट	50	60	11	0
ओली रॉबिन्सन बो. जडेजा	05	06	0	0
जेम्स एंडरसन नाबाद	01	12	0	0

अतिरिक्त: 23, कुल: 84 ओवर में 290 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-5, 2-6, 3-52, 4-53, 5-62, 6-151, 7-222, 8-250, 9-255, 10-290, **गेंदबाजी:** उमेश यादव 19-2-76-3, बुमराह 21-6-67-2, शार्दुल ठाकुर 15-2-54-1, सिराज 12-4-42-1 जडेजा 17-0-36-2,

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा नाबाद	20	56	2	0
केएल राहुल नाबाद	22	41	4	0

अतिरिक्त: 01, कुल: 16 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 43 रन **गेंदबाजी:** जेम्स एंडरसन 6-1-13-0, ओली रॉबिन्सन 4-0-21-0, क्रिस वोक्स 5-1-8-0, ओवर्टन 1-0-1-0,

पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं अवनि

अवनि लेखरा और हरविंदर सिंह को कांस्य व प्रवीण कुमार को रजत पदक मिला

टोक्यो। टोक्यो में जारी पैरालंपिक खेलों का 10वां दिन भारत के लिहाज से अभी तक काफी अच्छा साबित हुआ है। देश को शुक्रवार को तीन पदक मिले। प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद (टी-64 स्पर्धा) में रजत तो अवनि लेखरा ने निशानेबाजी (50 मीटर राइफल की पी-3 एसएच-1 स्पर्धा) में एवं हरविंदर सिंह ने तीरंदाजी में कांस्य पदक अपनी-अपनी झोली में डाला। भारत के दो स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य सहित पदक 13 पदक हो गए हैं।

अवनि का यह दूसरा पदक है और वह वह इसके साथ ही एक पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गयीं। अवनि से पहले 1984 के पैरालंपिक में जोगिन्दर सिंह सोढ़ी ने एक ही संस्करण में कई पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय थे। उन्होंने एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे अवनि ने इससे पहले सोमवार को 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच 1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। शुक्रवार को 19 वर्षीया अवनि ने क्वालिफाइंग में 1176 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी थी। फाइनल्स में उन्होंने 445.9 का स्कोर कर तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता। चीन की झांग क्यूपिंग ने 457.9 के नए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जबकि जर्मनी की नताशा हिल्ट्रोप ने फाइनल में 457.1 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। उल्लेखनीय है कि अवनि इससे पहले 30 अगस्त सोमवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 स्पर्धा में 249.6 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर की बराबरी करते हुए पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थी। दो दिन हाथ खाली रहने के बाद आज भारत ने एक ही दिन में तीन पदक जीत डाले।

जीत के बाद अवनि ने नहीं मनाया जश्न

निशानेबाज अवनि लेखरा पैरालंपिक के एक ही चरण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने के बावजूद संतुष्ट नहीं हैं और उनका कहना है कि वह मौजूदा खेलों में इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं, लेकिन वह दबाव में आ गईं। अवनि ने कहा, जब मैंने स्वर्ण पदक जीता तो मैं सिर्फ स्वर्ण पदक से ही संतुष्ट नहीं थी (हंसती हैं), मैं उस अंतिम शॉट को बेहतर करना चाहती थी इसलिए यह कांस्य पदक निश्चित रूप से संतोषजनक नहीं है। रविवार को होने वाली मिश्रित 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा का जिक्र करते हुए कहा, मैं जश्न नहीं मना रही क्योंकि मेरा ध्यान अगले मैच पर लगा है। मेरा लक्ष्य अपनी अगली स्पर्धा में भी शत प्रतिशत देने का है। लेखरा ने अभिनव बिंद्रा की प्रशंसा दोहराते हुए कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनना चाहती थीं।

भगत-पूनम सेमीफाइनल में

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और उनकी जोड़ीदार पलक कोहली ने टोक्यो पैरालंपिक की बैडमिंटन मिश्रित युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिए क्वॉलीफाई किया।

प्रवीण ने जीता रजत

भारत के प्रवीण कुमार ने अपने पदार्पण टोक्यो पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी 64 स्पर्धा में रजत पदक जीत जीता। अपने पहले पैरालंपिक में उतरे 18 वर्षीय प्रवीण ने 2.07 मीटर की ऊंचाई पार कर रजत जीता और साथ ही नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। ब्रिटेन के जोनाथन ने 2,10 मीटर की ऊंचाई पारकर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सामान्य व्यक्ति की तुलना में प्रवीण का एक पैर छोटा है, लेकिन उन्होंने अपनी इसी कमजोरी को ताकत बनाया और अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हुए पैरालिंपिक के मंच तक पहुंचे।

पीएम ने पदक विजेताओं को दी शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रवीण कुमार, अवनि लेखरा और हरविंदर सिंह को पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, अवनि के शानदार प्रदर्शन से बेहद उत्साहित हूं। देश के लिए कांस्य जीतने पर उन्हें बधाइयां। भविष्य के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने प्रवीण कुमार से बात कर उन्हें पदक जीतने के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रवीण की मेहनत और उनके कोच तथा परिवार से प्रवीण को मिले सहयोग की भी सराहना की। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हरविंदर सिंह का उत्कृष्ट प्रदर्शन। उन्होंने शानदार कौशल और दृढ़ता का परिचय देकर पदक हासिल किया। ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने पर उन्हें बधाइयां।

पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बने हरविंदर सिंह

टोक्यो पैरालंपिक में भारतीय तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में भारत को कांस्य पदक दिलाया। हरविंदर ने कोरिया के एमएस किम को हराया। हरियाणा के हरविंदर ने रोमांचक शूट ऑफ मैच मैच में किम को 6-5 से पराजित कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। हरविंदर पैरालिंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए हैं। इससे पहले सेमीफाइनल में हरविंदर को अमेरिकी तीरंदाज के मथेर के खिलाफ 4-6 से हार का सामना करना पड़ा था।

पदक से चूकीं मप्र की प्राची यादव

मध्यप्रदेश की प्राची यादव कैनो स्प्रिंट की महिला सिंगल्स के 200 मीटर वीएल-2 स्पर्धा में मेडल से चूक गई हैं। वह फाइनल में आठवें स्थान पर रही। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने यह दूरी 1:07.397 के साथ पूरी की। प्राची यादव ग्वालियर में बहोड़ापुर इलाके के आनंद नगर की रहने वाली हैं। वे कैनोइंग के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। प्राची यादव के दोनों पैर जन्म से खराब हैं। 7 साल ही उम्र में मां का भी देहांत हो गया। 2007 में 9 साल की उम्र में प्राची बतौर एक्सरसाइज तैराकी से जुड़ीं। इसी साल उन्हें चैंपियनशिप में खेलने का भी मौका मिला। प्राची ने जूनियर कैटेगरी में गोल्ड जीता। इस जीत ने उनका खेल के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा दिया। इसके बाद दिन-रात की कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने लगातार 3 साल तक पदकों की झड़ी लगा दी।

विश्व कप क्वॉलीफायर में जीते अर्जेंटीना और ब्राजील

लियोनल मेसी और नेमार नहीं दिखा सके अपना जलवा

साओ पाउलो। ब्राजील और अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वॉलीफायर के अपने मुकाबलो में जीत हासिल की जिसमें न तो लियोनल मेसी और न ही नेमार अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन दिखा सके। शीर्ष पर चल रही ब्राजील ने सांटियागो में चिली को 1-0 से शिकस्त दी जिसमें एक मात्र गोल स्थानापन्न खिलाड़ी एवर्टन रिबेरो ने किया।

अर्जेंटीना ने काराकास में ओलिंपिको स्टेडियम में वेनेजुएला को 3-1 से पराजित किया। उसके लिये लौटारो मार्टिनेज, जोकिन कोरिया और एंजेल कोरिया ने गोल किये। वेनेजुएला का एक मात्र गोल जेफर्सन सोटेल्डो ने दागा। अर्जेंटीना 15 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है। वेनेजुएला 10 टीमों के राउंड रॉबिन में चार अंक लेकर निचले स्थान पर है। शीर्ष चार टीमें अगले साल कतर में होने वाली विश्व कप के लिये स्वतः ही क्वॉलीफाई कर लेंगी। पांचवें स्थान वाली टीम एक अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में हिस्सा लेगी।

इंस्टाग्राम पर 150 मिलियन फॉलोअर्स वाले पहले एशियाई बने विराट कोहली

नई दिल्ली। मैदान पर अपने क्रिकेटिंग स्किल्स से राज करने वाले कोहली ग्राउंड के बाहर भी किंग हैं।

सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर 150 मिलियन फॉलोअर्स वाले वह भारतीय ही नहीं बल्कि पहले एशियाई बन चुके हैं।

32 वर्षीय भारतीय कप्तान के शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर 150 मिलियन फॉलोअर्स हो गए। फोटो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर विराट खेल जगत में फॉलोअर्स के मामले में चौथे स्थान पर हैं। 237 मिलियन फॉलोअर्स के साथ रोनाल्डो इस लिस्ट में टॉप करते हैं। दूसरे स्थान पर लियोनल मेसी हैं, जिनके 260 मिलियन फॉलोर्स हैं और नेमार 150 मिलियन फॉलोर्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली इससे पहले इंस्टाग्राम पर 75 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचने वाले पहले एशियाई बन गए थे। इंस्टाग्राम के अलावा, कोहली की ट्विटर और फेसबुक जैसे अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी जबरदस्त फैन-फॉलोइंग है। अब तक उनके ट्विटर पर 43.4 मिलियन और फेसबुक पर 48 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं।

भारतीय हॉकी टीमों के राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की संभावना कम

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीम के बर्मिंघम में अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) में भाग लेने की संभावना बेहद कम है क्योंकि वे एशियाई खेलों के दौरान अपनी शीर्ष फार्म में रहना चाहेंगी जो 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलीफायर टूर्नामेंट है। बत्रा ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को यहां एक औपचारिक बैठक के दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान को इस बात से अवगत करा दिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के प्रमुख और हॉकी इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बत्रा ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम की प्राथमिकता एशियाई खेलों में अपने शिखर (लय और फिटनेस) पर पहुंचना है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के ठीक 35 दिन बाद शुरू होगा। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होना है जबकि एशियाई खेलों की मेजबानी चीन का हांग्जो 10 से 15 सितंबर तक करेगा। हॉकी इंडिया में प्रभुत्व रखने वाले बत्रा ने यहां जारी बयान में बताया, हॉकी इंडिया के साथ मेरी प्रारंभिक चर्चा के आधार पर अब इस बात की संभावना कम है कि भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में भाग लेगी।

कांटे के मुकाबले में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को चार रन से हरा कर सीरीज में बनाई बढ़त

ढाका। सलामी बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन और गेंदबाजों की किफायती गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने यहां शुक्रवार को दूसरे कांटे के टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार रन से हरा दिया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर में छह विकेट खो कर 141 रन का औसतन स्कोर बनाया। जवाब में मेहमान टीम न्यूजीलैंड अपने 20 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन पाई और जीत के बेहद करीब आकर चार रन से मुकाबला हार गई। बांग्लादेश की तरफ से शीर्ष क्रम में नईम और लिटन और महमूदुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी की। तीनों क्रमशः 39, 33 और 37 रन बनाए। गेंदबाजी में सबसे किफायती गेंदबाज मेहदी हसन रहे। उन्होंने चार ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड की तरफ से टॉम लेथम ने 49 गेंदों पर 65 रन की नाबाद पारी खेली।

मनिका ने कोच सौम्यदीप पर लगाए गंभीर आरोप

कहा- मैच फिक्स करने बोला था

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप रॉय पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खेल रत्न से नवाजी जा चुकी मनिका की माने तो कोच सौम्यदीप रॉय ने उन्हें मैच फिक्स करने को कहा था। यही वजह है कि उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के दौरान कोच रॉय की मदद लेने से इनकार कर दिया था। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए मनिका ने इस बात का पुरजोर खंडन किया कि रॉय की मदद लेने से इनकार करके उन्होंने खेल की साख को नुकसान पहुंचाया है। 56वें नंबर की खिलाड़ी ने कहा कि जिसने उन्हें मैच फिक्सिंग के लिए कहा था, अगर वह उनके साथ कोच के रूप में बैठे होते तो वह मैच पर फोकस नहीं कर पाती।

मनिका ने टीटीएफआई सचिव अरूण बनर्जी को भेजे जवाब में कहा ,आखिरी मिनट पर उनके दखल से पैदा होने वाले व्यवधान से बचने के अलावा राष्ट्रीय कोच के बिना खेलने के मेरे फैसले के पीछे एक और अधिक गंभीर वजह थी। राष्ट्रीय कोच ने मार्च 2021 में दोहा में क्वॉलीफिकेशन टूर्नामेंट में मुझ पर दबाव बनाया कि उनकी प्रशिक्षु के खिलाफ मैच गंवा दूं ताकि वह ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर सके। संक्षेप में मुझसे मैच फिक्सिंग के लिये कहा। खिलाड़ी से कोच बने रॉय को मौजूदा राष्ट्रीय शिविर से बाहर रहने को कहा गया है।

खेल को लेकर पूरी प्रतिबद्धता ने हरविंदर को दिलाई सफलता: कोच

एजेंसी ■ कोलकाता

पैरालंपिक खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हरविंदर सिंह इस खेल में बड़ी उपलब्धि हासिल करने के सपने को लेकर पूरी प्रतिबद्ध रहे है। हरियाणा के कैथल गांव के मध्यम वर्ग किसान परिवार के सिंह जब डेढ़ साल के थे तो उन्हें डेंगू हो गया था और स्थानीय डॉक्टर ने एक इंजेक्शन लगाया जिसका प्रतिकूल असर पड़ा और तब से उनके पैरों ने ठीक से काम करना बंद कर दिया। उनका हौसला हालांकि इससे भी कम नहीं हुआ। उनके बचपन के कोच गौरव शर्मा ने कहा कि अपने पैरों पर खड़े होने की उनकी ललक ऐसी है कि उन्होंने खुद से संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए राज्य सरकार की ओर से मिले नौकरी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। 31 साल का यह खिलाड़ी अभी अर्थशास्त्र में पीएचडी कर रहा है। लंदन पैरालंपिक (2012) से प्रेरित होकर कंपाउंड वर्ग में तीरंदाजी करने के बाद, सिंह ने 2014 इंचियोन एशियाई पैरा खेलों की भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाने के बाद खेलों को छोड़ने का मन बना लिया था। शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा, वह पूरी तरह से हतोत्साहित था और कह रहा था कि तीरंदाजी उसका खेल नहीं है। शर्मा हालांकि अपने प्रयास को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहते थे और वह हरविंदर को लेकर जोखिम लेने को तैयार थे। हरविंदर ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में दक्षिण कोरिया के किम मिन सू पर 26 . 24, 27 . 29, 28 . 25, 25 . 25, 26 . 27, 10 . 8 से जीत दर्ज की। शर्मा ने कहा, उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख थी और हमने एक जोखिम लिया और उन्हें मुश्किल माने जाने वाले रिकर्व स्पर्धा में डाल दिया, जिसके लिए सटीक कौशल की आवश्यकता होती है।

कोच ने कहा, वह शत-प्रतिशत प्रतिबद्धता दिखाता था। वह सुबह साढ़े छह बजे से साढ़े आठ बजे तक अभ्यास करने के बाद दोपहर में फिर अभ्यास करता था।

आसान जीत के साथ तीसरे दौर में नोवाक जोकोविच

यूएस ओपन हॉलैंड के टेलन को 6-2, 6-3, 6-2 से हराया

न्यूयार्क। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने आसान जीत के साथ वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बना ली है जबकि 2019 की महिला चैंपियन बियांका आंद्रेसेस्कू ने फ्लशिंग मीडोज में अपने अपराजेय अभियान को नौ मैच पहुंचा दिया है। टॉप सीड जोकोविच ने हॉलैंड के टेलन गरिएकसपुर को 6-2, 6-3, 6-2 से पराजित किया। अगले राउंड में जापान के केई निशिकोरी से भिड़ने जा रहे जोकोविच ने जीत के बाद कहा, मैं टेनिस के अपने स्तर से खुश हूं। सब कुछ सही दिशा में चल रहा है। कनाडा की आंद्रेसेस्कू ने अमेरिका की लॉरेन डेविस की 6-4, 6-4 से हराया । कनाडा के डेनिस शापोवालोव भी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं

शापोवालोव ने स्पेन के रॉबर्टो कार्बलेस बायना को 7-6(7), 6-3, 6-0 से पराजित किया और पिछले वर्ष फ्रेंच ओपन में स्पेन के खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुका लिया। पिछले वर्ष के उपविजेता, ओलंपिक चैंपियन और चौथी सीड अलेक्जेंडर जवेरेव ने स्पेन केअलबर्ट रामोस विनोलास को 6-1, 6-0, 6-3 से हराने में मात्र 74 मिनट का समय लगाया। इटली के जानिक सिन्नर ने गैर वरीय अमेरिका के जकारी सवाजदा को 6-3, 7-6(2), 6-7(6), 6-4 से पराजित कर पहली बार तीसरे दौर में प्रवेश किया जबकि जोकोविच से भिड़ने जा रहे निशिकोरी ने अमेरिका के मैकेंजी मैक्डॉनल्ड को 7-6(3), 6-3, 6-7(5), 2-6 6-3 से हराया। 11 वीं सीड स्विट्जररलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने इटली की मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 6-1 से हराने में मात्र 71 मिनट का समय लगाया।

एश्ले बार्टी की शानदार जीत

महिलाओं में टॉप सीड और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने डेनमार्क की 18 वर्षीय क्लारा ताऊसों को 6-1, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। जबकि चौथी सीड केरोलिना प्लिसकोवा ने मैच अंक बचाने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को कड़े संघर्ष में 7-5, 6-7(5), 7-6(7) से पराजित किया। चेक गणराज्य की प्लिसकोवा को अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया की अजला टोमलजानोविच से होगा। टोमलजानोविच ने 30वीं सीड क्रोएशिया की पेत्रा मार्टिक को 7-6(6), 6-4 से शिकस्त दी। 11वीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेसिंस यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। स्विट्जरलैंड की बेलिंडा ने मार्टिना को 6-3, 6-1 मात दी। फ्रांस की वरवरा ग्रेचेवा ने स्पेन की पौउला बडोसा को 6-4, 6-4 से उलटफेर का शिकार बनाकर लगातार दूसरी बार दूसरे दौर की बाधा पार की। स्लोएने स्टीफंस ने हमवतन कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से बाहर का रास्ता दिखाया।